▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 296 ▸▸मुंबई, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- 500 से ज्यादा संदिग्ध पॉलिसी बरामद
- एक ही शख्स के नाम 69 पॉलिसी थीं दर्ज

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फर्जी वाहन इंश्योरेंस रैकेट का भंडाफोड़

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मोटर वाहन बीमा क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है, जहाँ मैग्मा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने अपनी आंतरिक जांच में 500 से अधिक संदिग्ध बीमा पॉलिसियों का पता लगाया है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, इस घोटाले की प्रारंभिक जांच में करीब 21.53 लाख रुपए के वित्तीय नुकसान की पुष्टि हुई है। हालांकि, संदिग्ध पॉलिसियों की बड़ी संख्या को देखते हुए कंपनी को अंदेशा है कि यह आंकड़ा जांच आगे बढ़ने पर काफी बढ़ सकता है।

जांच में पकड़ा गया फर्जीवाड़ा

बीमा कंपनी के आंतरिक विभाग को फरवरी 2025 में कुछ संदिग्ध लेनदेन के संकेत मिले थे, जिसके बाद विस्तृत ऑडिट किया गया। इस ऑडिट में पाया गया कि गौरव हरी पाटेकर नामक व्यक्ति के नाम पर एक-दो नहीं, बल्कि कुल 69 मोटर बीमा पॉलिसियां जारी की गई थीं। जब 'वाहन' ऐप के जरिए इन पॉलिसियों में दर्ज पंजीकरण नंबरों का मिलान किया गया, तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि पॉलिसी में दर्ज वाहन का मेक, मॉडल और असली मालिक का विवरण सरकारी रिकॉर्ड से पूरी तरह अलग था।

कंप्यूटर सिस्टम का दुरुपयोग और एफआईआर

इस पूरे खेल में मुख्य आरोपी गौरव हरी पाटेकर ने अपने चचेरे भाई अनंत पांडुरंग पाटेकर के साथ मिलकर कंपनी के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई और फर्जी डेटा फीड किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने तकनीकी ज्ञान का गलत फायदा उठाते हुए सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की और जाली दस्तावेजों के आधार पर पॉलिसियां जनरेट कीं। इस डिजिटल जालसाजी ने कंपनी के सुरक्षा मानकों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रीमियम चोरी की साजिश और फर्जी विवरण

धोखाधड़ी के तरीके (Modus Operandi) का खुलासा करने के लिए कंपनी ने नेरुल की एक स्वतंत्र जांच एजेंसी की मदद ली। फील्ड वेरिफिकेशन में यह साबित हुआ कि आरोपियों ने सोची-समझी साजिश के तहत महंगे और अधिक प्रीमियम वाले वाहनों का बीमा करने के लिए दस्तावेजों में जानबूझकर सस्ते और कम प्रीमियम वाले वाहनों की जानकारी भरी थी। इससे वाहनों को इंश्योरेंस कवर तो मिल गया, लेकिन कंपनी को वह प्रीमियम नहीं मिला जो उन महंगे वाहनों के लिए मिलना चाहिए था।

भांडुप पुलिस की कार्रवाई और जांच

बीमा कंपनी के अधिकारी उमेश बिश्वेश्वर चौधरी की शिकायत पर भांडुप पुलिस स्टेशन ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बुधवार को प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस घोटाले में कंपनी के किसी कर्मचारी की मिलीभगत थी या आरोपियों ने बाहरी तौर पर सिस्टम को हैक किया था। पुलिस उन 500 संदिग्ध वाहनों की भी तलाश कर रही है जिनके लिए फर्जी कागजात तैयार किए गए थे।

ठाकरे के गढ़ से महायुति का शक्ति प्रदर्शन

- 3 जनवरी को वर्ली से होगा चुनावी शंखनाद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सीटों के बंटवारे और आंतरिक मतभेदों को सुलझाने के बाद, महायुति ने आगामी नगर निगम चुनावों के लिए अपने प्रचार अभियान को गति दे दी है। महायुति की पहली भव्य जनसभा 3 जनवरी 2026 को मुंबई के वर्ली स्थित एनएससीआई डोम (वर्ली डोम) में आयोजित की जाएगी। शाम 6 बजे होने वाली इस सभा के माध्यम से मुंबई सहित राज्य की सभी 29 नगरपालिकाओं के लिए चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत होगी। इस सभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य वक्ता के रूप में जनता को संबोधित करेंगे।

ठाकरे के गढ़ में सीधी चुनौती

राजनीतिक दृष्टि से इस सभा का स्थान बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्ली को उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) का मजबूत गढ़ माना जाता है। महायुति ने जानबूझकर इस क्षेत्र को अपनी पहली सभा के लिए चुनकर ठाकरे बंधुओं को उनके ही घर में सीधी चुनौती दी है। जहाँ एक ओर ठाकरे गुट की संयुक्त प्रचार बैठकें 5 जनवरी से शुरू होने वाली हैं, वहीं महायुति ने 3 जनवरी को ही मोर्चा खोलकर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की कोशिश की है। इससे मुंबई का चुनावी माहौल और भी अधिक तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धी होने की संभावना है।

एकता का प्रदर्शन और विकास का रोडमैप

राज्य की 29 नगर निगमों के लिए 15 जनवरी को मतदान होना है और परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इस पृष्ठभूमि में, वर्ली की यह बैठक महायुति की शक्ति और एकता के प्रदर्शन का मंच बनेगी। बैठक के दौरान गठबंधन के नेता मुंबई के विकास की रूपरेखा, आगामी 12 दिनों के प्रचार की दिशा और शहर के भविष्य के प्रति अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करेंगे। मराठी अस्मिता और उम्मीदवार चयन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर भी महायुति अपनी भूमिका साफ़ कर सकती है।

कार्यकर्ताओं में जोश भरने की रणनीति

इस महा-बैठक में भाजपा, शिवसेना और अन्य सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता और हज़ारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक का प्राथमिक उद्देश्य अंतिम 12 दिनों के चुनावी घमासान के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाना है। वर्ली डोम की इस शुरुआत के बाद पूरे मुंबई में विभागवार बैठकों, रोड शो और सघन प्रचार दौरों का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

वोट बंटवारे का डर खत्म!

- 32 सीटों पर नहीं होगा 'थर्ड फ्रंट'
- आमने-सामने होंगे 2 अलायंस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई नगर निगम की 227 सीटों में से 32 वार्ड ऐसे हैं, जहां भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)-मनसे गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा। इन सीटों पर किसी मजबूत तीसरे मोर्चे का उम्मीदवार मैदान में नहीं है, क्योंकि कांग्रेस-वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) गठबंधन ने यहां प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। इससे इन वार्डों में वोटों के बंटवारे की संभावना बेहद कम हो गई है।

दो प्रमुख गठबंधन आमने-सामने

महायुति के तहत भाजपा और एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना ने बीएमसी चुनाव के लिए साझा मोर्चा बनाया है, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर एकजुट हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, वीबीए को मुंबई में उसके हिस्से में आई 62 सीटों में से 21 पर उम्मीदवार उतारने में कठिनाई आई, जिसके चलते रणनीति में बदलाव करना पड़ा।

वीबीए के फैसलों से बदला गणित

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कुछ क्षेत्रों में कमजोर उम्मीदवार उतारने के बजाय वीबीए ने वहां उम्मीदवार न उतारने का फैसला किया, जबकि कुछ सीटों पर दस्तावेजी खामियों के कारण भी दिक्कतें आईं। हालात को देखते हुए वीबीए ने कांग्रेस को सूचित किया कि वह केवल पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 16 सीटों पर कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतारे।

यूबीटी को फायदा, गठबंधन में मतभेद से इनकार

शिवसेना (यूबीटी) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा विरोधी वोट न बंटने से यह स्थिति ठाकरे खेमे के लिए फायदेमंद हो सकती है, हालांकि नामांकन पत्रों की जांच के बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ होगी। वहीं, कांग्रेस और वीबीए ने गठबंधन में दरार की खबरों को सिरे से खारिज किया है।

ब्रीफ न्यूज़

भारत टैक्सी सेवा इसी माह से भरेगी रफ्तार

नई दिल्ली। देश की पहली सहकारी टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का परिचालन जनवरी के अंत तक दिल्ली समेत अन्य शहरों में शुरू हो जाएगा। सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित इस डिजिटल प्लेटफॉर्म को दो दिसंबर, 2024 को दिल्ली में पायलट आधार पर शुरू किया गया था। सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल के अनुसार, भारत टैक्सी प्रतिदिन औसतन साढ़े पांच हजार राइड ले रही हैं, जिनमें चार हजार एयरपोर्ट से हैं। अब तक 1.4 लाख से ज्यादा चालक ऐप पर पंजीकरण कार चुके हैं।

बीएमसी चुनाव : अंतिम रूप से 10,231 मतदान केंद्र तय

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए यहां 10,231 मतदान केंद्रों को अंतिम रूप दिया है।बृहस्पतिवार शाम जारी एक विज्ञप्ति में, बीएमसी ने कहा कि इनमें से 4,386 मतदान केंद्र सरकारी और अर्ध-सरकारी भवनों में, 702 सहकारी आवास समितियों में और 5,143 निजी भवनों में स्थित होंगे। बीएमसी प्रमुख और जिला चुनाव अधिकारी भूषण गगरानी के हवाले से विज्ञप्ति में कहा गया है कि 1.03 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए सुचारू, पारदर्शी और सुलभ मतदान सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत तैयारी की गई है। गगरानी ने कहा, ''सभी 227 वार्डों के लिए मतदान केंद्रों की अंतिम वार्ड-वार सूची राज्य निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रकाशित की गई है।

कांग्रेस का विजन डॉक्यूमेंट जारी

- भ्रष्टाचार से मुक्त करना और एक 'पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन' स्थापित करना मुख्य लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने बृहस्पतिवार (1 जनवरी 2026) को 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनाव के लिए पार्टी का विजन डॉक्यूमेंट पेश किया। गायकवाड़ ने दावा किया कि कांग्रेस का मुख्य लक्ष्य महानगर को भ्रष्टाचार से मुक्त करना और एक 'पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन' स्थापित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सत्तारूढ़ महायुति (भाजपा, शिंदे सेना और अजित पवार गुट) के प्रशासन ने मुंबईवासियों के अधिकारों और सार्वजनिक धन की जमकर लूट की है, जिससे नागरिक सुविधाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं।

महायुति पर 12,000 करोड़ के दुरुपयोग का आरोप

वर्षा गायकवाड़ ने महायुति सरकार पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 2022 में नगर निगम की सावधि जमा (Fixed Deposit) राशि से 12,000 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया। इसके अलावा, उन्होंने मीठी नदी की गाद निकालने (desilting) की प्रक्रिया में भी बड़े घोटाले का दावा किया। गायकवाड़ ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अपर्याप्त शहरी नियोजन और कुप्रबंधन के कारण 2017 से 2022 के बीच बीएमसी का प्रदर्शन मात्र 38 प्रतिशत रहा, जो मुंबई जैसे वैश्विक शहर के लिए चिंताजनक है।

बीएमसी चुनाव में फर्जीवाड़ा

- बीजेपी उम्मीदवार पर 'डुप्लीकेट' फॉर्म का आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई बीएमसी चुनाव के नामांकन के दौरान प्रभाग क्रमांक 173 में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बीजेपी की इच्छुक उम्मीदवार शिल्पा केलूसकर पर असली एबी फॉर्म (AB Form) की जगह 'कलर जेरॉक्स' जमा करने का आरोप लगा। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किए गए इस आवेदन ने न केवल चुनाव अधिकारियों को चकमा दिया, बल्कि बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच दरार पैदा कर दी है। गठबंधन के तहत यह सीट शिवसेना (शिंदे गुट) के खाते में गई है, लेकिन बीजेपी कार्यकर्ता की इस हरकत ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

कैसे हुआ 'कलर जेरॉक्स' का खुलासा?

इस धांधली का खुलासा तब हुआ जब शिंदे गुट की आधिकारिक उम्मीदवार अपना नामांकन भरने पहुंचीं। एक ही वार्ड से गठबंधन के दो उम्मीदवारों के पास एबी फॉर्म होने की खबर जैसे ही बीजेपी नेतृत्व तक पहुंची, जांच शुरू हुई। बताया जा रहा है कि पार्टी ने शुरुआत में शिल्पा को फॉर्म दिया था, लेकिन गठबंधन तय होने के बाद इसे वापस मांग लिया गया था। आरोप है कि शिल्पा ने चतुराई दिखाते हुए फॉर्म वापस करने से पहले उसकी कलर फोटोकॉपी करा ली थी।

गठबंधन के गणित में उलझा प्रभाग 173

सीटों के बंटवारे के अनुसार, बीजेपी 137 और शिंदे गुट 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वार्ड नंबर 173 शिंदे गुट को आवंटित किया गया है, जहाँ से उन्होंने पूर्व नगरसेवक रामदास कांबले की पत्नी पूजा कांबले को मैदान में उतारा है। विवाद तब शुरू हुआ जब बीजेपी की शिल्पा केलूसकर ने भी इसी वार्ड से अपना नामांकन दाखिल कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने प्रथम दृष्टया इस त्रुटि को पकड़ने के बजाय आवेदन को वैध घोषित कर दिया, जिससे महायुति के भीतर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई।

शिंदे गुट का मास्टरप्लान नीलेश राणे को सौंपी कमान

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में शिवसेना (UBT) के 'मराठी कार्ड' का जवाब देने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रणनीतिक चाल चलते हुए तेजतर्रार नेता नीलेश राणे को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी है। शिंदे गुट ने महायुति के तहत मुंबई की कुल 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिन्हें संगठित करने और आक्रामक प्रचार के जरिए मतदाताओं को जोड़ने का काम अब राणे के नेतृत्व में होगा। पार्टी ने इस अभियान के लिए 15 जनवरी के मतदान को लक्ष्य बनाते हुए 12 दिनों का सघन प्रचार कार्यक्रम तैयार किया है, जिसकी औपचारिक शुरुआत 3 जनवरी को वर्ली डोम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे की संयुक्त जनसभा से होगी।

तारीख तय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

15 अगस्त 2027 से रफ्तार भरेगी भारत की पहली बुलेट ट्रेन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अब बुलेट ट्रेन सिर्फ सपना नहीं रहेगी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश में बुलेट ट्रेन के संचालन को लेकर स्थिति कन्फर्म कर दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त 2027 से शुरू होगी। यह ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। इसे एक साथ पूरे रूट पर नहीं, बल्कि धीरे-धीरे चरणों में शुरू किया जाएगा, ताकि सफर पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक रहे।

पहली बार कितनी दूरी तक दौड़ेगी ट्रेन?

पहले प्लान था कि बुलेट ट्रेन सिर्फ 50 किलोमीटर तक चलेगी, लेकिन अब इसे बढ़ा दिया गया है। अगस्त 2027 में पहली बुलेट ट्रेन सूरत से वापी के बीच 100 किलोमीटर की दूरी तय करेगी यानी उद्घाटन रन पहले से ज्यादा लंबा होगा।

पहले किन रूट्स पर चलेगी बुलेट ट्रेन?

सरकार ने तय किया है कि बुलेट ट्रेन को एक साथ पूरे 508 किलोमीटर पर नहीं चलाया जाएगा। पहले छोटे हिस्सों में ट्रेन चलाई जाएगी और फिर पूरा रूट जोड़ा जाएगा। सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रेन चलेगी। उसके बाद वापी से सूरत सेक्शन खुलेगा। फिर वापी से अहमदाबाद। इसके बाद ठाणे से अहमदाबाद। और आखिर में मुंबई से अहमदाबाद का पूरा रूट चालू होगा। पूरी तरह शुरू होने के बाद यह ट्रेन अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, ठाणे और मुंबई जैसे बड़े शहरों को जोड़ेगी।

प्रोजेक्ट में देरी क्यों हुई?

इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2017 में हुई थी और पहले इसे 2023 तक पूरा करना था। लेकिन जमीन अधिग्रहण और निर्माण से जुड़ी दिक्कतों के कारण काम में देरी हो गई, जिस वजह से अब नई तारीख 15 अगस्त 2027 तय की गई है।

कितनी तेज चलेगी और कितना समय लगेगा?

इस बुलेट ट्रेन को 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के हिसाब से बनाया जा रहा है। रेल मंत्री के मुताबिक, अगर ट्रेन सिर्फ 4 स्टेशनों पर रुकेगी, तो मुंबई से अहमदाबाद का सफर 1 घंटा 58 मिनट में पूरा हो जाएगा। अगर ट्रेन सभी 12 स्टेशनों पर रुकेगी, तब भी सफर सिर्फ 2 घंटे 17 मिनट का होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

विरासत के लालच में बिखर रहे हैं परिवार: कोर्ट

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने एक संपत्ति विवाद के फैसले में इस विडंबना पर अफसोस जताया कि जो समाज दुनिया को ₹वसुधैव कुटुम्बकम्₹ (विश्व एक परिवार है) का संदेश देता है, उसके अपने ही परिवार विरासत के लालच में बिखर रहे हैं। न्यायमूर्ति एम. एस. सोनाक और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि प्राचीन मूल्यों और आधुनिक वास्तविकता के बीच का अंतर आज के अंतहीन संपत्ति विवादों में स्पष्ट दिखाई देता है। अदालत ने समाज के व्यापक हित में उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसे पारिवारिक मुकदमों में कमी आएगी। यह मामला उपनगरीय बांद्रा में स्थित एक पारिवारिक संपत्ति से जुड़ा था। एक बेटी ने अपनी दिवंगत मां की वसीयत के आधार पर उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र (लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन) जारी करने के लिए याचिका दायर की थी। वसीयत के अनुसार, वह संपत्ति उसे और उसके दो भाइयों को दी गई थी। हालांकि, परिवार के दो अन्य भाइयों ने इस वसीयत को अदालत में चुनौती दी और दावा किया कि यह वसीयत मिलीभगत और धोखाधड़ी के जरिए तैयार की गई थी। उच्च न्यायालय ने गहन जांच के बाद बेटी की याचिका को खारिज कर दिया और उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र जारी करने से इनकार कर दिया। पीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि उनकी राय में मां की वसीयत के आसपास अत्यधिक संदिग्ध और संदेहास्पद परिस्थितियां मौजूद हैं। अदालत ने माना कि वसीयत की वैधता को लेकर भाइयों द्वारा उठाए गए सवाल गंभीर हैं, इसलिए इसे बिना निष्पक्ष जांच के स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भायंदर स्टेशन पर भाषा को लेकर विवाद

मुंबई। भायंदर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जिगर पाटिल नामक एक युवक और रेलवे प्रशासन के बीच तीखी बहस हो गई। युवक का दावा है कि स्टेशन पर उद्घोषणाएं केवल अंग्रेजी और हिंदी में की जा रही थीं। जब उसने इस संबंध में स्टेशन मास्टर से सवाल किया कि घोषणाएं मराठी भाषा में क्यों नहीं की जा रही हैं, तो आरोप है कि उसे कथित तौर पर तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया और मानसिक रूप से परेशान किया गया। जिगर पाटिल के अनुसार, मराठी भाषा का उपयोग न किए जाने पर जब उसने स्टेशन मास्टर से शिकायत दर्ज करने के लिए रजिस्टर मांगा, तो अधिकारी ने गुस्से में प्रतिक्रिया दी। पाटिल ने दावा किया कि स्टेशन मास्टर ने उसे बहस जारी रखने पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) बुलाने की धमकी दी। इसके बाद उसे स्टेशन मास्टर के केबिन में ले जाकर करीब तीन घंटे तक बिठाए रखा गया, जिसे उसने अपनी अवैध हिरासत बताया है।

इंस्टाग्राम पर 'हनीट्रैप' और अपहरण

नवी मुंबई। कल्याण (पूर्व) में रहने वाले 10वीं कक्षा के एक 15 वर्षीय छात्र को शातिर तरीके से अगवा करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर एक लड़की के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया और लड़के से दोस्ती की। धीरे-धीरे लड़के को अपने विश्वास में लेकर आरोपियों ने उसे रोमांटिक रिश्ते का झांसा दिया। जब छात्र का पूरा भरोसा जीत लिया गया, तो उसे मिलने के बहाने कल्याण के नंदिवली इलाके में बुलाया गया, जहाँ वह कैब से पहुँचा और जाल में फंस गया। जैसे ही लड़का निर्धारित स्थान पर पहुँचा, वहाँ पहले से मौजूद चार युवकों ने उसे पकड़ लिया और एक रिहायशी इमारत के कमरे में बंधक बना लिया।

ठाणे में चुनावी सुरक्षा पुख्ता

330 सीसीटीवी कैमरों से होगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

महानगर पालिकाओं के आगामी चुनावों के मद्देनजर ठाणे नगर निगम (TMC) प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठाणे नगर निगम क्षेत्र में अब तक कुल 330 CCTV कैमरे सक्रिय किए जा चुके हैं। TMC आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने स्पष्ट किया है कि चुनाव अधिकारी के कार्यालय, स्ट्रॉन्ग रूम, ईवीएम कमीशनिंग स्थलों और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि भविष्य में आवश्यकता पड़ी, तो कैमरों की संख्या और बढ़ाई जाएगी।

EVM सुरक्षा के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और एक्सेस कंट्रोल

ईवीएम मशीनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर वार्ड में विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्ट्रॉन्ग रूम की गतिविधियों पर सीधी नजर रखने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (RO) और असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर को अलग-अलग गोपनीय यूजर ID और पासवर्ड प्रदान किए गए हैं। इससे वे कहीं से भी अपने क्षेत्र के स्ट्रॉन्ग रूम की लाइव फीड देख सकेंगे। डिप्टी कमिश्नर मनीष जोशी स्वयं इस डिजिटल निगरानी प्रणाली की प्रभावशीलता की जांच कर रहे हैं ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो। सिस्टम के तकनीकी पक्ष को मजबूत करने के लिए नगर विकास विभाग से 11 चुनाव निर्णय अधिकारी और 11 सर्वेयरों को तैनात किया गया है। इनका मुख्य कार्य कैमरों की निरंतर कार्यक्षमता की जांच करना और आवश्यकतानुसार नए कैमरे लगवाना है। तकनीकी निगरानी के लिए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर वामन सखदेव, शशिकांत सालुंखे और डिप्टी इंजीनियर अतुल भोले की एक विशेषज्ञ टीम नियुक्त की गई है। यह टीम यह सुनिश्चित करेगी कि डेटा रिकॉर्डिंग और फीड ट्रांसमिशन में कोई तकनीकी बाधा न आए।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अभेद्य सुरक्षा चक्र

चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और निगरानी का कार्य एक सुव्यवस्थित ढांचे के तहत किया जा रहा है। यह पूरा अभियान मनपा कमिश्नर सौरभ राव के निर्देशों और एडिशनल कमिश्नर प्रशांत रोडे के सीधे मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। प्रशासनिक कार्यों में तेजी और बेहतर समन्वय के लिए डिप्टी कमिश्नर मनीष जोशी को विशेष रूप से 'नोडल ऑफिसर' नियुक्त किया गया है, जो पूरी व्यवस्था की कमान संभाल रहे हैं।

वार्ड-वार स्ट्रॉन्ग रूम और रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालयों पर नजर

ठाणे के विभिन्न वार्ड कार्यालयों और स्कूलों में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। माझीवाड़ा-मानपाड़ा वार्ड और न्यू होराइजन स्कूल में सबसे ज्यादा सक्रियता देखी जा रही है। वर्तमान में वर्तकनगर में 43, लोकमान्यनगर में 31, वागले ITI में 25 और नौपाड़ा-कोपरी सहित थाना कॉलेज स्ट्रॉन्ग रूम में 26 कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा कलवा, मुंब्रा और दिवा जैसे क्षेत्रों के स्ट्रॉन्ग रूम और रिटर्निंग ऑफिसर (RO) कार्यालयों को मिलाकर कुल 295 कैमरे फिलहाल इन विशिष्ट केंद्रों पर सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं।

मुख्य केंद्रों और चेक पोस्टों पर विशेष निगरानी

महत्वपूर्ण केंद्रों की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर भवन' (बेथनी हॉस्पिटल के पास) स्थित मुख्य स्ट्रॉन्ग रूम में 30 कैमरे तैनात किए हैं। चुनावी सामग्री के वितरण के मुख्य केंद्र 'टाउन हॉल' पर भी नजर रखी जा रही है। शहर की सीमाओं और संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए मोडेला चेक पोस्ट और श्रीनगर चेक पोस्ट नाका पर भी कैमरे लगाए गए हैं। इन सभी को मिलाकर अब तक कुल 330 कैमरों का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हो चुका है, जो चौबीसों घंटे सक्रिय है।

हिंदुओं को बर्बाद कर रही है बीजेपी : पटोले

डीबीडी संवाददाता I मुंबई/नागपुर

नाना पटोले ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का कोई समर्थन नहीं करता, लेकिन भाजपा खुद को हिंदुओं का रखवाला बताकर उन्हें असल में बर्बाद कर रही है। पटोले के अनुसार, केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में महंगाई से सबसे ज्यादा हिंदू ही परेशान हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आत्महत्या करने वाले किसानों और बेरोजगार युवाओं में भी हिंदुओं की संख्या अधिक है, फिर भाजपा किस तरह की रक्षा का दावा कर रही है?

शाहरुख खान और पाकिस्तान के मुद्दे पर घेरा

भाजपा द्वारा शाहरुख खान को ट्रोल किए जाने पर नाराजगी जताते हुए पटोले ने कहा कि वह मुस्लिम हैं, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए याद दिलाया कि जब पहलगाम में हमला हुआ था, उसके बाद भी सरकार ने पाकिस्तान की टीम के साथ क्रिकेट मैच होने दिया। पटोले ने कहा कि जब देश की भावनाएं पाकिस्तान के खिलाफ होती हैं, तब भाजपा इसे 'सिर्फ एक खेल' बताकर अपना रुख बदल लेती है। आगामी बीएमसी (BMC) चुनावों पर बात करते हुए नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस इस बार महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुंबई शहर को बिल्डरों के हाथों बेच दिया है और अपने पाप छिपाने के लिए हिंदू-मुसलमान का मुद्दा उठा रही है। पटोले ने उदाहरण दिया कि विदेशों (इंग्लैंड) में पाकिस्तानी मूल का व्यक्ति मेयर बन सकता है, लेकिन भारत में भाजपा संविधान का अपमान कर रही है।

नए साल पर काशीमीरा में सघन चेकिंग

शराबी चालकों से वसूला 3.58 लाख का जुर्माना

डीबीडी संवाददाता I भाईंदर

नववर्ष 2026 के स्वागत के दौरान सड़कों पर सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए काशीमीरा ट्रैफिक विभाग ने 31 दिसंबर की रात से 1 जनवरी की सुबह तक एक विशेष जांच अभियान चलाया। मीरा-भाईंदर शहर के 10 से अधिक संवेदनशील स्थानों पर नाकाबंदी की गई, जिसमें दहिसर चेक नाका, गोल्डन नेस्ट, काशीमीरा नाका और मैक्स मॉल जैसे व्यस्त इलाके शामिल थे। इस अभियान का उद्देश्य जश्न के दौरान होने वाले सड़क हादसों को रोकना और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाम कसना था।

ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त कार्रवाई

पुलिस ने इस अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष ध्यान दिया। ब्रेथ एनालाइज़र की मदद से की गई जांच में कुल 49 चालक नशे की हालत में पाए गए, जिनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की गई। पकड़े गए वाहनों में 36 दोपहिया वाहन, 8 कारें, 4 ऑटो रिक्शा और 1 टेम्पो शामिल था। नियमों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इनमें से 47 वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया और चालकों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

लाखों का जुर्माना और भारी पुलिस बल की तैनाती

काशीमीरा ट्रैफिक विभाग ने केवल ड्रंक एंड ड्राइव ही नहीं, बल्कि ट्रैफिक नियमों के अन्य उल्लंघनों पर भी शिकंजा कसा। पूरी रात चली इस कार्रवाई में कुल 449 मामले दर्ज किए गए और 3 लाख 58 हजार 200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस बड़े पैमाने पर चलाए गए अभियान को सफल बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सागर इंगोले के नेतृत्व में 7 पुलिस अधिकारियों और 104 पुलिसकर्मियों की एक विशाल टीम सड़कों पर तैनात रही।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और लगातार पेट्रोलिंग

मीरा-भाईंदर और वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के निर्देशों का पालन करते हुए पूरे शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रमुख बाजारों, चौराहों और विशेष रूप से समुद्र तटों (Beaches) पर पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग जारी रही। पुलिस की इस सक्रियता के कारण शहर में किसी भी तरह की अप्रिय घटना नहीं घटी और नागरिकों ने सुरक्षित वातावरण में नए साल का स्वागत किया। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

भिवंडी महापालिका चुनाव

भाजपा के सुमित पाटिल निर्विरोध निर्वाचित

डीबीडी संवाददाता I भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के चुनाव में एक नया इतिहास रचा गया है। प्रभाग क्रमांक 17-बी (पद्मानगर क्षेत्र) से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सुमित पुरुषोत्तम पाटिल नगरसेवक पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। महापालिका के गठन के बाद यह पहला अवसर है जब किसी उम्मीदवार ने बिना किसी मुकाबले के जीत हासिल की है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने स्थानीय राजनीति में भाजपा और गठबंधन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया है।

जीत की हैट्रिक और दिग्गजों ने दी बधाई

सुमित पाटिल भाजपा-शिवसेना गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार थे और इस जीत के साथ उन्होंने नगरसेवक पद पर अपनी 'हैट्रिक' पूरी कर ली है। इससे पूर्व भी वे दो बार नगरसेवक और स्वीकृत सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इस शानदार जीत पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फोन पर सुमित पाटिल को बधाई दी। वहीं, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल और विधायक महेश चौगुले ने इसे जनता के विश्वास की जीत बताया। कपिल पाटिल ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में क्षेत्र में भाजपा की ताकत तेजी से बढ़ी है, जिसका परिणाम इस ऐतिहासिक जीत के रूप में सामने आया है।

नामांकन प्रक्रिया और प्रतिद्वंद्वियों की वापसी

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान इस प्रभाग से सुमित पाटिल सहित कुल छह उम्मीदवारों ने अपना पर्चा भरा था। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान दो उम्मीदवारों के फॉर्म अवैध पाए गए, जिससे मुकाबले में केवल चार प्रत्याशी बचे थे। हालांकि, नाम वापसी की निर्धारित समयसीमा के भीतर शेष तीनों उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। इसके परिणामस्वरूप, चुनाव मैदान में सुमित पाटिल एकमात्र उम्मीदवार रह गए और निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनकी निर्विरोध जीत की आधिकारिक घोषणा कर दी गई।

अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

2.14 करोड़ का गांजा जब्त

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

ठाणे शहर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश से संचालित होने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सफल ऑपरेशन में पुलिस ने भारी मात्रा में 638 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 2 करोड़ 4 लाख 16 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही 10 लाख रुपये की एक इनोवा कार भी जब्त की है, जिससे कुल जब्ती का मूल्य 2 करोड़ 14 लाख 16 हजार रुपये तक पहुंच गया है।

आरोपी गिरफ्तार, पुलिस कस्टडी में पूछताछ

इस मामले में पुलिस ने तेलंगाना निवासी चिन्ना टैगुर लक्ष्मण नायक (36 वर्ष) को मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कलवा पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट, 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 3 जनवरी, 2026 तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। फिलहाल क्राइम ब्रांच इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसके पीछे के मुख्य सरगना की तलाश में जुटी हुई है।

खारेगांव टोल प्लाजा पर बिछाया जाल

क्राइम ब्रांच की एसेट सेल और स्थानीय यूनिट को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। 30 दिसंबर, 2025 की शाम करीब 6:15 बजे, पुलिस टीम ने ठाणे के खारेगांव टोल प्लाजा के पास रणनीतिक रूप से जाल बिछाया। जैसे ही संदिग्ध इनोवा कार (नंबर AP-09-BF-9382) वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन के भीतर भारी मात्रा में गांजा छिपा हुआ पाया गया, जिसे ओडिशा और तेलंगाना के रास्ते महाराष्ट्र लाया जा रहा था।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सफलता

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त विनय घोरपड़े के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा की गई। ठाणे पुलिस की इस मुस्तैदी ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को एक बड़ा झटका दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में ड्रग्स की सप्लाई चेन को पूरी तरह से तोड़ने के लिए उनकी विशेष टीमें लगातार सतर्क हैं और आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां संभव हैं।

टीएमटी महिला कर्मचारियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ट्रांसपोर्ट सर्विस (TMT) में कार्यरत महिला कंडक्टर और ड्राइवरों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। 'माँ फाउंडेशन' की मार्गदर्शक प्रेमा ठाकुर ने ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट को लिखित बयान सौंपते हुए बताया कि कई बसों के आखिरी स्टॉप (टर्मिनस) पर वॉशरूम और टॉयलेट का उचित इंतजाम नहीं है। सुबह से देर रात तक ड्यूटी करने वाली इन महिला कर्मचारियों को इस स्थिति के कारण न केवल शारीरिक कष्ट झेलना पड़ता है, बल्कि उनकी सुरक्षा और गरिमा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बयान में स्पष्ट किया गया है कि सुविधाओं के अभाव में महिलाओं को अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है, जो उनके स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है।

सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच विरोधाभास

एक तरफ जहाँ केंद्र और राज्य सरकारें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और अन्य महिला सशक्तिकरण योजनाओं के जरिए महिलाओं को आगे बढ़ाने का दावा कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कार्यस्थल पर टॉयलेट जैसी बुनियादी जरूरत की कमी प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाती है। प्रेमा ठाकुर ने अपने पत्र में इसे केवल असुविधा नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों के अधिकारों का हनन बताया है। इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, मांग पत्र की एक प्रति राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को भी भेजी गई है। ठाणे ट्रांसपोर्ट ऑफिस में इस शिकायत को आधिकारिक तौर पर दर्ज कर लिया गया है, जिससे अब प्रशासन पर ठोस कदम उठाने का दबाव बढ़ गया है।

प्रशासन का आश्वासन: बजट और सीएसआर फंड से होगा समाधान

शिकायत और बढ़ते दबाव के बाद टीएमटी (TMT) अधिकारियों ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। प्रबंधन ने स्वीकार किया है कि महिला कर्मचारियों के लिए अलग वॉशरूम की आवश्यकता है और इसके लिए जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन सुविधाओं के निर्माण के लिए टीएमटी के वार्षिक बजट के साथ-साथ सीएसआर (CSR) फंड का भी उपयोग किया जाएगा। अब महिला कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इन आश्वासनों को कितनी जल्दी धरातल पर उतारता है ताकि महिला ड्राइवरों और कंडक्टरों को सम्मानजनक कार्य वातावरण मिल सके।

पालघर में नवजात से क्रूरता

पालघर। जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ मात्र चार दिन की एक नवजात बच्ची गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली है। बच्ची को दहाणू के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची के शरीर पर गहरे जख्म हैं। शुरुआत में यह किसी जानवर का हमला लग रहा था, लेकिन विस्तृत चिकित्सकीय जांच में पाया गया कि घाव ताजे नहीं थे, जिससे मामले में किसी बड़ी साजिश या लापरवाही का अंदेशा गहरा गया है। इस घटना में पुलिस को बच्ची की मां की भूमिका पर गंभीर संदेह है। पूछताछ के दौरान महिला ने बार-बार अपने बयान बदले, जिससे जांच अधिकारी चकरा गए हैं। पहले महिला ने दावा किया कि बच्ची गलती से गिर गई थी, लेकिन जब डॉक्टरों ने चोटों की प्रकृति को गिरने के दावों से अलग बताया, तो उसने अन्य कारण गिनाना शुरू कर दिए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला के दावे और मेडिकल रिपोर्ट आपस में मेल नहीं खा रहे हैं, जो सीधे तौर पर बच्ची के प्रति क्रूरता या उसे लावारिस छोड़ने की ओर इशारा करते हैं।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए पोस्टल वोटिंग की विशेष सुविधा

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

ठाणे समेत राज्य की विभिन्न महानगरपालिकाओं (मनपा) के चुनाव एक ही दिन आयोजित किए जा रहे हैं। इस चुनावी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। चूंकि कई कर्मचारी मुंबई, डोंबिवली, कल्याण, बदलापुर, नेरुल और पनवेल जैसे अलग-अलग क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकृत हैं, इसलिए ठाणे मनपा ने यह सुनिश्चित करने के लिए 'पोस्टल बैलेट' (डाक मतदान) की विशेष व्यवस्था की है कि चुनावी ड्यूटी के कारण कोई भी कर्मचारी अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

उपायुक्त दिनेश तायडे बने नोडल अधिकारी

इस विशेष मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए ठाणे मनपा के उपायुक्त दिनेश तायडे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है ताकि उनका कीमती वोट व्यर्थ न जाए। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी के आदेश के साथ ही डाक मतपत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक आवेदन फॉर्म (प्रपत्र) उपलब्ध कराएं।

घर पर ही प्राप्त होगा डाक मतपत्र

मतदान की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कर्मचारियों को निर्धारित प्रपत्र भरकर उसके साथ अपने चुनाव ड्यूटी के नियुक्ति आदेश की प्रति और संबंधित मनपा की मतदाता सूची में नाम होने का प्रमाण जमा करना होगा। आवेदन की जांच के बाद, डाक मतपत्र सीधे कर्मचारी के पंजीकृत पते पर भेज दिए जाएंगे। इस पहल से अब चुनाव ड्यूटी निभा रहे कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना योगदान भी आसानी से दे सकेंगे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत के हाथों 'महाराष्ट्र लोकभवन' दिनदर्शिका का विमोचन

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गुरुवार को मुंबई में 'महाराष्ट्र लोकभवन' की विशेष वार्षिक दिनदर्शिका-2026 का विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद 'राजभवन' का नाम बदलकर आधिकारिक तौर पर 'लोकभवन' किया गया है। नाम परिवर्तन के बाद यह पहली बार है जब लोकभवन के नाम से कोई आधिकारिक कैलेंडर तैयार किया गया है। राज्यपाल ने इस अवसर पर दिनदर्शिका के माध्यम से लोकभवन के गौरवशाली इतिहास और विरासत को जनता के सामने लाने के प्रयास की सराहना की।

छायाचित्रों में कैद महाराष्ट्र की स्थापत्य विरासत

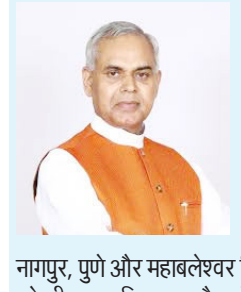

इस विशेष दिनदर्शिका में महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में स्थित लोकभवनों की ऐतिहासिक इमारतों के उत्कृष्ट छायाचित्रों को शामिल किया गया है। इसमें मुंबई स्थित मुख्य लोकभवन के अलावा नागपुर, पुणे और महाबलेश्वर स्थित परिसरों की इमारतों को भी स्थान दिया गया है। लोकभवन के प्रवक्ता उमेश काशीकर के अनुसार, कैलेंडर में इन इमारतों के वर्तमान स्वरूप के साथ-साथ उनके पुराने और ऐतिहासिक दुर्लभ चित्रों को भी संकलित किया गया है, जो इसके विकास क्रम को दर्शाते हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम

दिनदर्शिका की एक मुख्य विशेषता यह है कि प्रत्येक छायाचित्र के साथ उसका विस्तृत ऐतिहासिक संदर्भ भी दिया गया है, ताकि पाठकों को इन परिसरों के महत्व की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही, मुंबई लोकभवन परिसर में स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले राष्ट्रीय पक्षी मोर के आकर्षक छायाचित्रों को भी इसमें विशेष स्थान दिया गया है। यह कैलेंडर न केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज है, बल्कि कला और इतिहास का एक सुंदर संग्रह भी बनकर उभरा है। इस दिनदर्शिका को तैयार करने में राज्य के कई प्रख्यात छायाचित्रकारों ने अपना योगदान दिया है, जिनमें सुधारक ओलवे, नवीन भानुशाली और सचिन वैद्य जैसे नाम शामिल हैं। विमोचन समारोह के दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे, उपसचिव राममूर्ति और राजभवन (अब लोकभवन) के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी पहल से आम जनता का संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जुड़ाव और उनकी ऐतिहासिक समझ बढ़ेगी।

नगर निकाय चुनाव

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए पोस्टल बैलेट की विशेष सुविधा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी महानगर पालिका चुनावों की तैयारियों के बीच प्रशासन ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चूंकि राज्य की सभी प्रमुख महानगर पालिकाओं के चुनाव एक ही दिन संपन्न होने हैं, इसलिए चुनाव कार्य में तैनात हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों के सामने अपने मताधिकार के प्रयोग की चुनौती थी। इस समस्या को हल करने के लिए चुनाव आयोग और प्रशासन ने इन कर्मचारियों के लिए विशेष 'पोस्टल वोटिंग' (डाक मतदान) की व्यवस्था की है।

विभिन्न शहरों में रहने वाले कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

मुंबई और ठाणे महानगर पालिकाओं में कार्यरत बड़ी संख्या में कर्मचारी मुंबई, डोंबिवली, कल्याण, बदलापुर, नेरुल और पनवेल जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हैं। इन कर्मचारियों के नाम उनके निवास स्थान की मतदाता सूची में दर्ज हैं, लेकिन चुनाव के दिन ड्यूटी पर तैनात होने के कारण वे अपने मतदान केंद्र तक नहीं पहुँच पाते। ठाणे नगर निगम प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि इलेक्शन ड्यूटी पर तैनात होने की वजह से कोई भी कर्मचारी अपने वोट के अधिकार से वंचित न रहे।

नोडल ऑफिसर की नियुक्ति

राज्य में एक साथ कई नगर निगमों के चुनाव घोषित होने के कारण प्रशासनिक तालमेल की आवश्यकता बढ़ गई है। चुनाव ड्यूटी और मतदान के बीच सामंजस्य बिठाने और इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की जिम्मेदारी डिप्टी कमिश्नर दिनेश तायडे को सौंपी गई है। उन्हें इस पूरी प्रक्रिया के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जो कर्मचारियों के पोस्टल वोटिंग से संबंधित सभी कार्यों की निगरानी करेंगे ताकि वोटिंग की प्रक्रिया आसान और पारदर्शी बनी रहे।

प्रशासन की विशेष अपील और जागरूकता

नगर निगम प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से इस सुविधा का लाभ उठाने की पुरजोर अपील की है। प्रशासन का कहना है कि मतदान करना हर नागरिक का कर्तव्य है, इसलिए चुनाव कार्यों की व्यस्तता के बीच इसे बर्बाद नहीं होने देना चाहिए। सभी संबंधित नगर निगमों ने अपने स्तर पर कर्मचारियों को पोस्टल बैलेट प्राप्त करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश और चुनाव आदेश के साथ आवश्यक फॉर्म भी वितरित कर दिए हैं।

आवेदन की सरल प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेज

पोस्टल बैलेट की सुविधा प्राप्त करने की प्रक्रिया को काफी सरल रखा गया है। इच्छुक कर्मचारियों को केवल एक निर्धारित फॉर्म भरना होगा। इस फॉर्म के साथ उन्हें अपनी चुनाव ड्यूटी का अपॉइंटमेंट ऑर्डर और संबंधित नगर निगम की मतदाता सूची में अपने नाम के प्रमाण की एक कॉपी संलग्न करनी होगी। इन दस्तावेजों के सत्यापन के बाद चुनाव विभाग की ओर से पोस्टल बैलेट सीधे कर्मचारी के पंजीकृत पते पर भेज दिया जाएगा।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में अहम कदम

इस विशेष व्यवस्था से चुनाव ड्यूटी पर तैनात उन हजारों कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है, जो अब तक काम के दबाव और लंबी दूरी के कारण वोट नहीं दे पाते थे। प्रशासन को उम्मीद है कि इस कदम से न केवल कर्मचारियों का उत्साह बढ़ेगा, बल्कि कुल मतदान प्रतिशत में भी सुधार होगा। अब चुनाव कार्य की जिम्मेदारी निभाते हुए भी कर्मचारी अपने पसंदीदा प्रतिनिधि को चुनने के संवैधानिक अधिकार का सुगमता से उपयोग कर सकेंगे।

आदित्य ठाकरे की 'कोर टीम' में बड़ी सेंध

शीतल देवरुखकर-शेठ ने छोड़ा उद्धव का साथ, बीजेपी में हुई शामिल

मुंबई। मुंबई बीएमसी चुनाव के मतदान से महज दो हफ्ते पहले उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी की तेजतर्रार उपनेता और युवा सेना की कोर कमेटी सदस्य शीतल देवरुखकर-शेठ ने गुरुवार (1 जनवरी 2026) को संगठन से इस्तीफा दे दिया। आदित्य ठाकरे की बेहद करीबी और भरोसेमंद सहयोगियों में गिनी जाने वाली शीतल का जाना पार्टी के लिए युवा मोर्चे पर एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। पार्टी छोड़ने की आधिकारिक घोषणा के तुरंत बाद शीतल देवरुखकर-शेठ ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थाम लिया। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और वरिष्ठ नेता चित्रा वाघ की उपस्थिति में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। शीतल मुंबई विश्वविद्यालय की सीनेट (अधिसभा) सदस्य भी हैं और युवा वोटरों के बीच उनकी गहरी पैठ मानी जाती है, जिससे आने वाले चुनाव में बीजेपी को सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, शीतल देवरुखकर-शेठ की नाराजगी की मुख्य वजह आगामी बीएमसी चुनाव के लिए टिकट का वितरण है। बताया जा रहा है कि वह वार्ड नंबर 51 से चुनाव लड़ने की इच्छुक थीं और लंबे समय से इसकी तैयारी कर रही थीं।

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटे ठाकरे बंधु

चुनावी रणनीति पर उद्धव ठाकरे ने की राज से मुलाकात

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

करीब 20 साल बाद ठाकरे बंधु फिर एक साथ आ चुके हैं। ऐसे में उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बीएमसी चुनाव सहित महाराष्ट्र के कुल 29 नगर निगम चुनाव साथ लड़ रही है। ऐसे में अब चुनावी रणनीति को धार देने का काम भी जोरों पर शुरू हो चुका है। इस कड़ी में गुरुवार को उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे से मुलाकात की।

इन मुद्दों पर हुई ठाकरे बंधुओं में चर्चा

शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से 15 जनवरी को होने वाले नागरिक चुनावों के लिए घोषणापत्र और चुनावी अभियान पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। उद्धव ने राज से उनके घर 'शिवतीर्थ' में मुलाकात की। इससे दो दिन पहले एमएनएस प्रमुख उद्धव के घर 'मातोश्री' गए थे।

बगावत से निपटने पर भी बनाई रणनीति

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों नेताओं ने दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की बगावत से निपटने की रणनीति पर भी चर्चा की, क्योंकि हर म्युनिसिपल वार्ड से कई उम्मीदवार थे, जिन्होंने आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ बगावत कर दी है। दोनों पार्टियों के प्रमुख मुंबई महानगरीय क्षेत्र में संयुक्त रैलियों को संबोधित करेंगे।

संयुक्त रैलियों को संबोधित करेंगे उद्धव-राज

इससे पहले दिन में शिवसेना (UBT) नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे, जो उद्धव और राज के बेटे हैं, चुनाव घोषणापत्र को अंतिम रूप दे रहे हैं। राउत ने यह भी जानकारी साझा की है कि दोनों नेता संयुक्त रैलियों को संबोधित करेंगे, जिसमें तीन रैली मुंबई में, दो कल्याण-डोंबिवली में और एक-एक ठाणे, मीरा-भयंदर और नासिक में होगी। बता दें कि मुंबई सहित 29 नागरिक निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। वोटों की गिनती एक दिन बाद यानी 16 जनवरी को होगी।

'मराठी महापौर न बनने देना भाजपा की साजिश'

बीएमसी चुनाव से पहले संजय राउत का भाजपा पर आरोप

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को दावा किया कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मंशा यह सुनिश्चित करना है कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का महापौर कोई 'मराठी मानुष' न बने। मीडिया से बातचीत में राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा मराठी लोगों को नुकसान पहुंचाना चाहती है। इसे पहले भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने मीरा भयंदर नगर निगम में हिंदी भाषी महापौर चुने जाने की बात कही थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने इसे भाजपा का षड्यंत्र बताया। सिंह का बयान बिना किसी मकसद के नहीं दिया गया था, बल्कि यह शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के विरुद्ध बाहरी लोगों के बीच माहौल बनाने की एक रणनीति थी। इसके साथ ही राउत ने बताया कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी निकाय चुनाव में भाजपा के प्रचार के लिए लाया जाएगा।

मराठी मानुष हमारे साथ

राउत ने कहा, ₹भाजपा ने तय कर लिया है कि मुंबई या कहीं और मराठी महापौर नहीं होना चाहिए। उनकी योजना है कि कोई मराठी मानुष बीएमसी में मुंबई का नेतृत्व न करे। लेकिन मराठी मानुष शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के साथ मजबूती से खड़ा है। यह टिप्पणी नगर निकाय चुनावों से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। राउत ने कहा कि भाजपा वह दल नहीं है जो महाराष्ट्र के गौरव के लिए काम करती है। इसका संयुक्त महाराष्ट्र विषय से कोई लेना-देना नहीं है।

दादर में फेक करेंसी का भंडाफोड़

61 साल का तस्कर अरेस्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बीएमसी चुनाव से पहले सुरक्षा घेरा कड़ा करते हुए दादर रेलवे स्टेशन के पास एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन को अंजाम दिया है। पुलिस ने जाल बिछाकर 61 वर्षीय अमरुद्दीन शेख को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से 500 के उच्च गुणवत्ता वाले जाली नोट मिले हैं। इन जाली नोटों की कुल फेस वैल्यू 72,000 आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी को उस वक्त दबोचा जब वह इन नोटों को शहर के व्यस्त बाजार में खपाने की फिराक में था। जांच एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय इन नोटों की गुणवत्ता और समय है। पुलिस के अनुसार, ये नोट इतनी बारीकी से छापे गए हैं कि आम आदमी के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग नामुमकिन है। चूंकि मुंबई में जल्द ही नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं, इसलिए आशंका जताई जा रही है कि इन जाली नोटों का इस्तेमाल चुनावी फंडिंग या वोटरों को अवैध रूप से लुभाने के लिए किया जाना था।

आरे कॉलोनी में बेस्ट बस और ट्रक की भिड़ंत

चालक की हुई मौत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आरे कॉलोनी इलाके में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बेस्ट की बस और एक ट्रक की आमने-सामने टक्कर में ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 6:20 बजे आरे कॉलोनी के गेट नंबर-5 के पास, आरे रोड पर एक बेकरी के सामने हुआ। अधिकारियों के अनुसार, BEST की बस विक्रोली डिपो से बोरीवली ईस्ट की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस व आपात सेवाओं को सूचना दी।

फिसलन भरी सड़क बनी हादसे की वजह

BEST के प्रवक्ता ने बताया कि सुबह बारिश होने के कारण सड़क काफी फिसलन भरी हो गई थी। इसी वजह से बस और ट्रक के बीच नियंत्रण बिगड़ गया और दोनों वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। प्रवक्ता के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रक चालक स्टीयरिंग व्हील और सीट के बीच फंस गया था। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और विशेष उपकरणों की मदद से उसे बाहर निकाला गया।

बस कंडक्टर को मामूली चोट, जांच जारी

BEST बस के कंडक्टर रविंद्र पांडुरंग शेम्बडकर (52) को मामूली चोटें आई थीं। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हादसे के बाद इलाके में कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। BEST के प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और हादसे की वजहों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बारिश के अलावा किसी तरह की लापरवाही तो हादसे का कारण नहीं बनी।

अस्पताल में ट्रक चालक को मृत घोषित किया गया

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने ट्रक चालक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान केराजी पी ठाकुर (30) के रूप में हुई है, जो गुजरात का रहने वाला था। इस हादसे में ट्रक चालक का सहायक सुरेश परमार (28) भी घायल हुआ है।
अधिकारियों ने बताया कि सुरेश परमार का इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं इस हादसे में BEST बस के चालक मोहम्मद रफीक शेख (48) को सिर और पैर में चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अप्रैल 2026 में खुलेगा 'मिसिंग लिंक'

प्रोजेक्ट को जनवरी 2026 तक पूरा करने की थी योजना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई और पुणे के बीच यात्रा करने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बहुप्रतीक्षित 'मिसिंग लिंक' परियोजना को अप्रैल 2026 तक पूरा करने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। पहले इस प्रोजेक्ट को जनवरी 2026 तक पूरा करने की योजना थी, लेकिन अब इसके केबल-स्टे ब्रिज के अंतिम हिस्सों को जोड़ने का काम मार्च 2026 तक पूरा होने की संभावना है, जिसके बाद इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

25 मिनट की बचत और 6 किमी कम होगी दूरी

इस 13.3 किलोमीटर लंबे नए अलाइनमेंट के शुरू होने से मुंबई और पुणे के बीच की दूरी लगभग 6 किलोमीटर कम हो जाएगी। सबसे बड़ा फायदा समय का होगा; यात्रियों के सफर में कम से कम 25 से 30 मिनट की बचत होगी। यह लिंक विशेष रूप से खालापुर टोल नाका से खोपोली एग्जिट के बीच ट्रैफिक के दबाव को कम करेगा, जहाँ वर्तमान में घाट सेक्शन और भारी वाहनों के कारण अक्सर लंबा जाम लगा रहता है।

इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना: देश का सबसे ऊँचा केबल ब्रिज

इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण हिस्सा इसका केबल-स्टे ब्रिज है। यह पुल जमीन से लगभग 182 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है, जो इसे देश के सबसे ऊंचे पुलों में से एक बनाता है। इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट में दो लंबी सुरंगें शामिल हैं, जिनमें से एक सुरंग एशिया की सबसे चौड़ी सुरंगों में गिनी जाएगी। दुर्गम पहाड़ियों और गहरी घाटियों के बीच जटिल इंजीनियरिंग और मानसूनी बारिश के कारण इस प्रोजेक्ट की समय-सीमा में बदलाव करना पड़ा है।

घाट सेक्शन के हादसों से मिलेगी मुक्ति

वर्तमान में लोनावला-खंडाला घाट सेक्शन में तीखे मोड़ और फिसलन की वजह से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। 'मिसिंग लिंक' के चालू होने से वाहन इन खतरनाक मोड़ों को बायपास कर सीधे सुरंगों और पुल के माध्यम से निकल सकेंगे।

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य
मंडलीय रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल **ई-टेंडर सूचना संख्या: BCT/25-26/292 ,दिनांक 29.12.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य विवरण:** 1-भिलाड में EI (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) भवन का निर्माण 2- वलसाड में G+1 सिग्नल स्टोर भवन का निर्माण 3- आरपीएफ पोस्ट-BL में शेड की मरम्मत एवं नवीनीकरण (संयुक्त निविदा – इलेक्ट्रिकल (P) कार्य सहित) **अनुमानित लागत:** 8,14,71,972.89 **EMD:** 5,57,400/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि:** 23.01.2026 ,15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि:** 23.01.2026 , 15:30 बजे अधिक जानकारी: **www.ireps.gov.in** 0960
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट उत्पादों का निपटान
मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कोच मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, लोअर परेल, मुंबई-400013 **ई-निविदा संख्या: WR-PL-ME-EST-689039 दिनांक: 30.12.2025 आमंत्रित करते हैं । कार्य:** लोअर परेल कार्यशाला में उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट का MPCB नियमों के अनुसार 02 वर्षों के लिए निपटान **अनुमानित लागत:** 12,57,257.04 **ईएमडी:** 25,200/- **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि:** 22.01.2026, 12:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि:** 22.01.2026, 12:30 बजे अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट देखें : **www.ireps.gov.in** 0963
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विश्वसनीयता सुधार कार्य
वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (दक्षिण), मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 **ई-टेंडर सूचना संख्या SG/623/1807/WA दिनांक 29.12.2025 आमंत्रित करते हैं चर्चगेट-विरार खंड के वसई रोड स्टेशन पर** बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जलरोधी पॉइंट मशीन उपलब्ध कराना, लोकेशन बॉक्स व जंक्शन बॉक्स को ऊँचा करना तथा DAC DP सहित अन्य आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य पूरा करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** 58,34,436/- **ईएमडी:** 1,16,700/- **ई-टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 22.01.2026 को 15:00 बजे तक **ई-टेंडर खोलने की तिथि एवं समय:** 22.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 0961
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

न्यू ईयर की रात मुंबई हुई टल्ली!

पुलिस ने काटे 13752 चालान, 13114850 रुपए का जुर्माना वसूला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में नए साल (2026) के स्वागत के दौरान सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने पूरी रात सघन चेकिंग अभियान चलाया। 31 दिसंबर 2025 की रात को शहर भर में की गई नाकाबंदी के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के तहत पुलिस ने कुल 13,752 ई-चालान काटे, जिसके माध्यम से कुल 1,31,14,850 रुपये (एक करोड़ इकतीस लाख से ज्यादा) का जुर्माना वसूला गया।

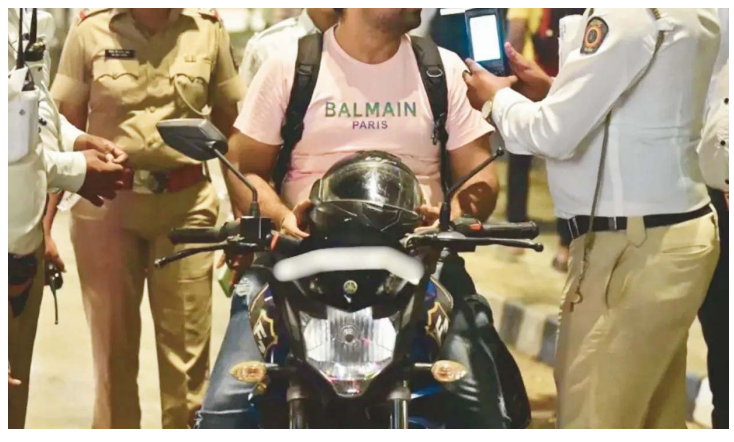

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर गिरी गाज

नए साल के जश्न में डूबे उन लोगों के खिलाफ पुलिस सबसे सख्त दिखी जो शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। शहर के प्रमुख चौराहों, प्रवेश द्वारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ब्रेथलाइजर की मदद से जांच की गई। इस दौरान ड्रंक एंड ड्राइव (Drunk and Drive) के 211 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी जानलेवा है, इसलिए ऐसे मामलों में कोई नरमी नहीं बरती गई और तुरंत केस दर्ज किए गए।

प्रमुख चौराहों और एंट्री प्वाइंट पर रही कड़ी निगरानी

ट्रैफिक विभाग ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही पूरी तैयारी कर रखी थी। पुलिस की विभिन्न टीमें सड़कों पर मुस्तैद रहीं और शहर के सभी बड़े एंट्री पॉइंट्स पर नाकाबंदी की गई। अभियान के दौरान लापरवाही बरतने वालों को कानून का पाठ पढ़ाया गया। पुलिस के अनुसार, उत्सव के माहौल में हादसों को रोकने के लिए यह चेकिंग अनिवार्य थी, ताकि लोग सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। जागरूकता अभियानों के बावजूद कई लोग लापरवाही करते नजर आए, जिस पर पुलिस को मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी। शराब पीकर गाड़ी चलाने के अलावा अन्य नियमों को तोड़ने वालों की संख्या भी काफी अधिक रही।

संपादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुर्जुगों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफ़एटी के बैनर तले की गई। आईएफ़एटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक ख़त में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मक़सद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुर्माने आदि से पैसा आएगा। ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि वे श्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन ये हड़ताल कुछ और ही कहानी बयां करती है। असल में ये मोदी सरकार की नाकामी का एक और सबूत है। सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर पकौड़ा तलने और रील बनाने की सलाह देती है। जो लोग ये नहीं कर पा रहे, वो अब गिग वर्कर बनने पर मजबूर हैं। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है। उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं।

शख्सियत | के एम मैथ्यू

कई पुरस्कारों से सम्मानित प्रसिद्ध पत्रकार

के एम मैथ्यू मलयालम भाषा के दैनिक मलयाला मनोरमा के मुख्य संपादक थे। वह 1954 में प्रबंध संपादक और महाप्रबंधक के रूप में अखबार से जुड़े और 1973 में मुख्य संपादक के रूप में पदभार संभाला। उनके नेतृत्व में, मलयाला मनोरमा ने मलयालम और हिंदी में महिलाओं की पत्रिका वनिता, साप्ताहिक अंग्रेजी पत्रिका द वीक, किसानों की पत्रिका कर्षकश्री, बच्चों की पत्रिका बलराम, मलयालम में कलिकुद्धक्का और अंग्रेजी में मैजिक पॉट और विश्वकोश मनोरमा इयरबुक जैसे कई प्रकाशन शुरू किए।

के एम मैथ्यू का जन्म 2 जनवरी 1917 को अलाप्पुझा, मद्रास प्रेसीडेंसी, ब्रिटिश भारत में हुआ था। मैथ्यू ने 1940 में चिकमंगलूर में एक बागान मालिक के रूप में अपना करियर शुरू किया, जहां वह अपने भाई के.एम.जैकब के साथ परिवार के स्वामित्व वाले भद्रा एस्टेट की देखभाल करने के लिए शामिल हुए। उन्होंने चिकमंगलूर एस्टेट में सात साल बिताए। इस अवधि के दौरान, उन्होंने एस्टेट परिसर में मैसूर रबर फैक्ट्री नामक एक गुब्बारा निर्माण सुविधा खोली, लेकिन प्रदूषण के कारण फैक्ट्री जल्द ही बंद हो गई। इस कारखाने की मशीनरी को बाद में मद्रास में स्थानांतरित कर दिया गया जब उनके छोटे भाई के.एम. माम्मेन मपिल्लई ने मद्रास रबर फैक्ट्री (एमआरएफ) शुरू की। 1947 में, के एम मैथ्यू एलाइड एजेंसीज़ शुरू करने के लिए बॉम्बे चले गए। उनकी पत्नी, अन्नम्मा मैथ्यू, एक पाक विशेषज्ञ और वनिता की मुख्य संपादक थीं, जो श्रीमती के.एम. मैथ्यू के नाम से लिखती थीं। उनके संस्मरणों की पुस्तक, अन्नम्मा। (उनकी पत्नी पर आधारित), पेंगुइन द्वारा मलयालम (2004) और अंग्रेजी (2005) में प्रकाशित किया गया था। 1998 में मैथ्यू को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उन्हें फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन अवार्ड (1991), नेशनल सिटीजन अवार्ड (1992), रामकृष्ण जय दयाल अवार्ड (1995), दुर्गा प्रसाद चौधरी अवार्ड (1996), प्रेस अकादमी अवार्ड (1997) और बी डी गोयनका अवार्ड सहित कई अन्य पुरस्कार मिले हैं। उनकी पहली पुण्य तिथि पर, इंडिया पोस्ट ने एक स्मारक डाक टिकट जारी किया।संसद भवन में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल सिब्बल से टिकट युक्त एक एल्बम मिला। पांच रुपये के स्टाम्प का प्रिंट रन 300,000 था।

स्टाम्प, प्रथम दिवस कवर और रद्दीकरण को नेनु गुप्त द्वारा डिजाइन किया गया थाउनकी आत्मकथा एट्टामाथे मोथिरम (द आठवीं रिंग) शीर्षक से 2008 में प्रकाशित हुई थी।1 अगस्त 2010 (आयु 93 वर्ष)कोट्टायम, केरल, भारत में के एम मैथ्यू का निधन हो गया।

2026 के चुनावों के नतीजों पर निर्भर है क्षेत्रीय सुरक्षा

आशीष विश्वास

यह देखना बाकी है कि 2026 में बांग्लादेश में एक नई, चुनी हुई सरकार द्वारा सत्ता संभालने से दक्षिण एशिया में स्थायी राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक ताकतों का एकीकरण होगा या नहीं। बहुत कुछ उभरते हुए पाक-अफगान संघर्ष के समाधान और पाकिस्तान के भीतर बलूच स्वतंत्रता संघर्ष पर निर्भर करेगा।

चूंकि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान-मध्य एशिया क्षेत्र लंबे समय से ऐतिहासिक संघर्ष और कई युद्धरत जनजातियों और प्रमुख विदेशी शक्तियों से जुड़े सत्ता संघर्षों का गवाह रहा है, इसलिए भविष्य की शांति या स्थिरता के बारे में किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी करना उचित नहीं हो सकता है। जहां तक भारत का सवाल है, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया विवाद एक अधूरा मामला बना हुआ है।

इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, भारत और बांग्लादेश के बीच मानवाधिकारों के उल्लंघन के अपने-अपने खराब रिकॉर्ड के बारे में बयानों का मौजूदा कड़वा आदान-प्रदान जारी रहने की उम्मीद की जा सकती है। द्विपक्षीय भारत-बांग्ला संबंधों को प्रभावित करने वाले तनावों की अधिक जिम्मेदारी बांग्लादेश की है। इसके नए गैर-निर्वाचित शासक वर्ग ने, जो स्पष्ट रूप से एक अंतरिम प्राधिकरण के रूप में अपनी सीमाओं से अनजान है, यहां तक कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के अलगाव को बढ़ावा देने के लिए चीन में एक भड़काऊ अभियान भी शुरू किया।

चूंकि इस मामले पर चीन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, और न ही भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों ने खुद कोई दिलचस्पी दिखाई, इसलिए बांग्लादेश के अपेक्षाकृत मोटी चमड़ी वाले अस्थायी नेता भी चुप हो गए हैं। यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की चीन को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की घोर राजनयिक विफलता के कारण बांग्लादेश के भीतर ही स्थापित राजनीतिक दलों से उपहासपूर्ण टिप्पणियां हुईं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेताओं ने एक प्रेस बयान में डॉ. यूनुस को याद दिलाया कि कुछ अलिखित परंपराएं और दिशानिर्देश हैं जिनका किसी भी सरकार-से-सरकार बातचीत में किसी भी पक्ष द्वारा उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि इस सार्वजनिक फटकार से डॉ. यूनुस के काम करने के तरीके में कोई खास फर्क पड़ा हो।

जैसे ही नया साल शुरू हो रहा है, इस क्षेत्र के बड़े देश खुद को एक गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित पाते हैं, जो मौजूदा क्षेत्रीय नेताओं में सामूहिक समझदारी की कमी के कारण, भविष्य की पीढ़ियों को शांति और व्यवस्था की तलाश में सालों तक उलझाए रख सकती है।

भारत, जो खुद को अपने पूर्व और पश्चिम में तीन दुश्मन पड़ोसियों से निपटने के लिए संघर्ष करता हुआ पा रहा है। चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध पहले की तरह ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। अब बांग्लादेश भी उनके साथ शामिल होने को उत्सुक दिख रहा है। बहुत कम पर्यवेक्षक बांग्लादेश द्वारा घोषित विदेश संबंधों पर आधिकारिक रुख को मानते हैं कि यह दक्षिण एशिया और उससे आगे अपने राजनयिक पहुंच का विस्तार करने की कोशिश करेगा, विदेश नीति के मामलों में अपनी पिछली

भारत-केंद्रित नीति को उलट देगा। भारत के लिए बहुत अधिक सकारात्मक तत्व नहीं हैं जिनकी वह उम्मीद कर सकता है, सिवाय चीन के साथ तनाव में थोड़ी ढील की संभावना के, जो ब्रिक्स फोरम में उनकी सदस्यता के कारण है। साथ ही, अगर आम चुनावों में जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी सत्ता हासिल करने में विफल रहते हैं, तो मध्यम अवधि में भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में कुछ सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, भारत ने अपने 'निकट पश्चिम' पड़ोस में कूटनीति और प्रभाव के मामले में कुछ फायदे सुनिश्चित किए होंगे। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान सरकार के साथ अच्छे संबंध स्थापित करके, भारत ने बांग्लादेश के साथ अपनी नई दोस्ती से पाकिस्तान को मिलने वाले अधिकांश फायदों को प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया है।

घरेलू राजनीति में भी, भारत अपनी संघर्षरत अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोज़गारी और अमीर-गरीब के बीच चिंताजनक खाई जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद, सामाजिक विकास के मामले में पाकिस्तान या बांग्लादेश दोनों से बेहतर स्थिति में दिखता है। दिल्ली के विपरीत, इस्लामाबाद आने वाले सालों में बीजिंग और वाशिंगटन पर निर्भर रहेगा। इसकी अर्थव्यवस्था बद से बदतर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आतंक प्रायोजक के रूप में इसकी छवि पहले की तरह ही नकारात्मक बनी हुई है। यह इसकी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी बाधा है।

जहां तक बांग्लादेश की बात है, डॉ. यूनुस ने विभिन्न पश्चिमी वित्तीय बैंकों और संस्थानों से कुछ राहत हासिल करके वित्तीय रूप से कुछ राहत पाई है। लेकिन ढाका को बढ़ती दोहरे अंकों वाली महंगाई को नियंत्रित करना बेहद मुश्किल लग रहा है, जो पहले से ही इस क्षेत्र में सबसे ज़्यादा है।

औसत बांग्लादेशी नागरिकों के लिए, बुनियादी चिकित्सा खर्च और बुजुर्गों के लिए ज़रूरी इलाज की लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। युवा पीढ़ी पर इसका बुरा असर पड़ा है क्योंकि छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं जो दिल्ली ने बांग्लादेशियों को भारत के जाने-माने संस्थानों में रहने के लिए दी थीं, वे अब पहले जैसी उपलब्ध नहीं होंगी। कोलकाता के अर्थशास्त्री शौनाक मुखर्जी के अनुसार, 'किसी भी आसान कॉस्ट-बेनिफिट एनालिसिस से पता चलता है कि भारत द्वारा पहले दी गई सुविधाओं को वापस लेने से बांग्लादेश को बहुत ज़्यादा नुकसान होगा।'

यहां तक कि रणनीतिक तौर पर भी, बांग्लादेश को अब दो ऐसे पड़ोसी देशों से निपटना होगा जो दुश्मन न सही, लेकिन दोस्त भी नहीं हैं। वे हैं म्यांमार और भारत, जो इसे उत्तर, पश्चिम और दक्षिण दिशा से घेरे हुए हैं। पहले उसे सिफ़र् म्यांमार से निपटना पड़ता था। जैसा कि पहले बताया गया है, फरवरी 2026 के चुनावों का नतीजा कई वजहों से पूरे दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण होगा। अभी के लिए, बीएनपीके नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत भारत के हितों के लिए ज़्यादा फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अब अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगर, डॉ. यूनुस के राजनीतिक रूप से पर्दे के पीछे से काम करने के साथ जमात समर्थक सरकार चुनी जाती है, तो भारत को अपने पूर्वी हिस्से में मुश्किल समय का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जीवन मंत्र

आत्मा का स्वभाव होता है बाहर की तरफ़ देना

जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है।

यह वाक्य जीवन के गहरे आध्यात्मिक सत्य को उजागर करता है। अहं और आत्मा—दोनों मनुष्य के भीतर विद्यमान शक्तियाँ हैं, लेकिन इनका स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होता है। अहं (अहंकार) का स्वभाव है अपनी ओर खींचना, सब कुछ अपने लिए रखना, स्वयं को केंद्र में रखना। यह "मैं" और "मेरा" के दायरे में बंधा रहता है। अहंकार चाहता है कि सारी दुनिया उसके चारों ओर घूमे—मान-सम्मान, अधिकार, प्रशंसा, सुख-सुविधा—सब कुछ अपने नियंत्रण में रहे। यह भीतर एक तरह का स्वार्थ और सीमितता पैदा करता है, जो मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों का तो आकांक्षी बनाता है, लेकिन भीतर से असंतुष्ट रखता है। इसके विपरीत, आत्मा का स्वभाव देने का है। आत्मा विस्तार चाहती है, प्रेम चाहती है, सेवा और समर्प ण में आनंद पाती है। आत्मा तब तृप्त होती है जब

वह किसी को कुछ दे सके—चाहे वह स्नेह हो, करुणा हो, या ज्ञान। उसका स्वभाव उदारता और समरसता में निहित है। जब आत्मा का भाव जागृत होता है, तब व्यक्ति स्वयं को दूसरों में देखता है, वह सीमाओं से परे हो जाता है। इसीलिए संत और ज्ञानी लोग त्याग और प्रेम में आनंद पाते हैं, क्योंकि वे आत्मा के क्षेत्र में जी रहे होते हैं, न कि अहं के बंधन में।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब अहं और आत्मा एक साथ सक्रिय हो जाते हैं। एक भीतर से कहता है—"मुझे दो, मैं चाहता हूँ", और दूसरा कहता है—"ले लो, मैं देना चाहता हूँ।" यही विरोधाभास मनुष्य के जीवन में संघर्ष पैदा करता है। जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

जीवन ऊर्जा

अनवर जलालपुरी : निधन- 2 जनवरी, 2018 | देहावसान

हर इंसान में नूर-ए-खुदा है सारी किताब में लिखा है...

अनवर जलालपुरी (6 जुलाई 1947 - 2 जनवरी 2018) जलालपुर, उत्तर प्रदेश के एक भारतीय उर्दू कवि थे , जिन्हें भगवद गीता का संस्कृत से उर्दू में अनुवाद करने के लिए जाना जाता है । प्रारंभिक शिक्षा आजमगढ़ में हुई, तथा उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की । उन्हें भारत के राष्ट्रपति से मरणोपरांत पद्मश्री और उत्तर प्रदेश सरकार से यश भारती पुरस्कार मिला । उन्हें शहीद शोध संस्थान द्वारा माटी रतन सम्मान भी मिला। 2 जनवरी 2018 को ब्रेन स्ट्रोक से उनकी मृत्यु हो गई।

जब किसी दर्शन से, किसी फलसफे से, व्यक्ति से या आइडियॉलॉजी से आपको इश्क हो जाए, इश्क में बड़ी पवित्रता है और आखिरी सीमा तक जाने का संघर्ष है। तो गीता में कृष्ण जिस दैविक शैली में बात करते हैं, वह शैली मुझे बहुत पसंद आई। यही कुरान का डिवाइन स्टाइल है। खुदा इंसानों को मुखातिब होके कहता है कि ये दुनिया, ये पहाड़, ये जमीन, ये आसमान, ये चांद-सूरज... अगर ये मेरा जलवा नहीं, ये मेरी निशानियां नहीं तो किसकी हैं? बताओ ऐ इंसानों, मेरी कौन कौन-सी नेमतों को झुठलाओगे? कृष्ण इसी स्टाइल में बोलते हैं।

उन्होंने कहा था -गीता के पहले ही पहले श्लोक में अंधे धृतराष्ट्र संजय से पूछते हैं कि मैदान में क्या हो रहा है? मैंने यूं शुरू किया: धृतराष्ट्र आंखों से महरूम थे, मगर ये न समझे कि मासूम थे। इसकी जो दूसरी लाइन है वह रजनीश ने दी है। वे कहते हैं कि अंधे होने से ये न समझिए कि वासनाएं-इच्छाएं खत्म हो जाती हैं। गीता की एक खास बात है: इसमें तहदारी बहुत है।

उसका एक श्लोक, अर्थ और व्याख्या पढ़िए, आठ दिन बाद फिर पढ़िए, तब कुछ और अर्थ मिल जाएगा। शेक्सपियर के ड्रामों में जिस तरह से मानव मनोविज्ञान की एनालिसिस है, शायद यह बड़ी बात हो जाए कहना, मुझे लगता है कि शेक्सपियर ने गीता जरूर पढ़ी होगी।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

ईश्वर की उपासना सरल और बोधगम्य होती है

समूचा कोशल प्रांत अब राज्याभिषेक के दिवस की व्यग्रता से प्रतीक्षा कर रहा है। भारतीय संस्कृति में ईश्वर की निर्गुण और सगुण दोनों रूपों में उपासना की जाती है। परंतु निर्गुण, निराकार की अपेक्षा सगुण और साकार ईश्वर की उपासना सरल और बोधगम्य होती है।

परमपिता परमात्मा ने धर्म की स्थापना हेतु श्रीराम और श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया। यद्यपि

भगवान के मत्स्य, कूर्म, वाराह, नृसिंह, वामन, परशुराम जैसे पूर्णावतार भी हुए हैं, परंतु वे सभी कार्य विशेष के लिए थे। राघव और कान्हा के रूप में ईश्वर मानव देह ग्रहण करते हैं, बालपन, युवावस्था में प्रवेश कर संपूर्ण जीवन की लीलाएं सम्पन्न करते हुए अपने धाम को वापस जाते हैं। इसीलिए जन-जन में परमेश्वर के यह दो विग्रह सर्वाधिक लोकप्रिय एवं पूज्य हैं। संतों ने भगवान के मानव स्वरूप की बाल्यावस्था की उपासना का विशेष महत्व प्रतिपादित किया है। महाकवि सूरदास ने श्रीकृष्ण के बालरूप की ही आराधना की है। सूरदास ने वात्सल्य रस की जैसी अमृतवर्षा की है, वैसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। श्रीमद्भागवत पुराण समेत अनेक ग्रंथ श्रीकृष्ण की बालक्रीड़ाओं के सुंदर आख्यानों से भरे पड़े हैं। श्रीराम के चरित्र का वर्णन करनेवाले मनीषियों ने भी उनके बालरूप की न केवल वंदना की है, अपितु बालचरित का अद्भुत वर्णन भी प्रस्तुत किया है। अपने आराध्य भगवान राम की बाल-लीलाओं का गुणगान करने में गोस्वामी तुलसीदास अग्रगण्य हैं।

यद्यपि तुलसी बाबा ने 'श्रीराम चरित मानस' में राघवेंद्र सरकार के किशोर एवं युवावस्था का पर्याप्त वर्णन किया है, बटुक, दूल्हा, युवराज, वनवासी, योद्धा, चक्रवर्ती सम्राट जैसे विभिन्न स्वरूपों का महिमामंडन किया है, परंतु यह भी ध्यान देने योग्य है कि उनके द्वारा बालरूप की महत्ता का विशेष प्रतिपादन किया गया है। भगवान शंकर, कागभुशुण्डि के साथ स्वयं तुलसी बाबा भी बालरूप श्रीराम की उपासना करते हैं। मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न होना स्वाभाविक है कि बालरूप की इतनी महत्ता क्यों? सभी जीवों की बाल्यावस्था मनमोहक होती है। शिशु की पावन मुस्कान, निश्छलता और आनंद बिखेरती मासूम छवि किसका चित्त न चुरा लेगी? यही पवित्रता बालरूप को आकर्षण का केंद्र बनाती है। बालरूप का एक और संदेश। जैसे बच्चे की सभी चेष्टाएं आनंदमयी होती हैं, उसकी किसी बात का बुरा नहीं माना जाता, उसी प्रकार उपासक को ईश्वर द्वारा प्रदत्त सुख-दुख को प्रसन्नता के साथ ग्रहण करना चाहिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया उपभोक्तावाद में डूब गई है. दुनिया में हिंदू आध्यात्मिकत का अभाव है जिससे वैश्विक स्तर पर उग्रवाद बढ़ रहा है। भारत को आर्थिक या सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि सद्भावना और मूल्यों के आधार पर 'विश्वगुरु' की भूमिका निभानी होगी।

-मोहन भागवत, सरसंघचालक,RSS

चीन भारत और पाकिस्तान को एक की पलड़े में रखकर खुद को एशिया में श्रेष्ठ साबित करना चाहता है। सरकार को इसका विरोध करना चाहिए। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है, एक देश के तौर पर हम कभी इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

-असदुद्दीन ओवैसी, अध्यक्ष,AIMIM

निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उनकी चिंताओं को दूर करने में विफल रहा है और यदि अंतिम मतदाता सूची में 'विसंगतियां' पाई जाती हैं तो पार्टी उसे स्वीकार नहीं करेगी।

-अभिषेक बनर्जी, नेता,तृणमूल कांग्रेस

जो पागल लोग चिकन नेक को काटने और पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की बात करते हैं उन लोगों ने हमारे घटोत्कच और हिडिंबा को नहीं देखा है। गला-वला काटना हम अच्छी तरह जानते हैं।

-तेमजेन इमना अलोंग, बीजेपी विधायक, नागालैंड

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

'भूमिपुत्र एल्गार' की पहली शाखा का उद्घाटन

भिवंडी। भिवंडी तालुका के कोशिंबे गांव में किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के अधिकारों के लिए समर्पित संगठन 'भूमिपुत्र एल्गार' की पहली शाखा का भव्य शुभारंभ हुआ। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद पवार के हाथों शाखा के बोर्ड का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अनूठी स्वागत परंपरा रही; शॉल और पुष्पगुच्छ के बजाय अतिथियों को 'पुस्तकें भेंट' कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमोद पवार ने स्पष्ट किया कि यह संगठन केवल प्रतीकात्मक नहीं होगा, बल्कि युवाओं के भविष्य और आम जनता के न्याय के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष करेगा। शाखा उद्घाटन से पूर्व सभी पदाधिकारियों ने मराडे पाड़ा स्थित शक्तिपीठ के दर्शन किए और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को नमन कर उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोशिंबे के युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें स्वप्नील जाधव, दीपक पवार और मनोज केदार सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे। उपस्थित पदाधिकारियों, जिनमें कार्याध्यक्ष सुनील लोणे और महासचिव नवनाथ भुये प्रमुख थे, ने विश्वास जताया कि भिवंडी से शुरू हुई यह मशाल जल्द ही पूरे जिले में फैलकर शोषित वर्ग की आवाज बनेगी।

नववर्ष पर महास्वच्छता अभियान का आयोजन

ठाणे। नववर्ष के पावन अवसर पर शिवशांती प्रतिष्ठान द्वारा हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए साल के पहले दिन महास्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान संस्था के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ठाणे के रायलादेवी वागले स्टेट परिसर में संपन्न हुआ, जहां व्यापक स्तर पर डीप क्लीनिंग की गई। अभियान का उद्देश्य परिसर की स्वच्छता के साथ-साथ नागरिकों को नए वर्ष में अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। इस मौके पर एडवोकेट सिंह ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। ठाणे महानगरपालिका के सहयोग से आयोजित इस अभियान में शिव परिवार प्रमुख पंडित राम मिलन शुक्ला, संस्कार क्लासेस की संचालिका लक्ष्मी मौर्य, एडवोकेट शिक्षा संस्कार, शिव परिवार रिक्शा टैक्सी चालक कल्याण समिति के सदस्य सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मुस्लिम, बहुजन और वंचित समाज के हक़ की लड़ाई लड़ने वालों को समर्थन देंगे: सलीम सारंग

भिवंडी। महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को लेकर मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन ने अपनी नीति और प्राथमिकताओं को सार्वजनिक किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सलीम सारंग ने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन उन उम्मीदवारों को पूर्ण समर्थन देगा, जो मुस्लिम, बहुजन और वंचित समाज के उत्थान से जुड़े शिक्षा, आरक्षण और संरक्षण जैसे मूलभूत मुद्दों को अपनी चुनावी प्राथमिकताओं में शामिल करेंगे। सलीम सारंग ने कहा कि समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा सबसे सशक्त माध्यम है। जो उम्मीदवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं के कौशल विकास और सामाजिक सशक्तिकरण की ठोस योजना प्रस्तुत करेंगे, उन्हें संगठन का सहयोग मिलेगा। उन्होंने समाज में बढ़ती नशाखोरी को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि नशामुक्ति अभियान, युवाओं के पुनर्वास और जनजागरूकता के लिए प्रतिबद्ध उम्मीदवारों को भी एसोसिएशन का समर्थन मिलेगा।

अभिनेता कुणाल खेमू और उनके पिता के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत

अंधेरी कोर्ट ने अंबोली पुलिस से मांगा जवाब

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (अंधेरी न्यायालय) सुजीत कुमार सी. तायडे ने अभिनेता कुणाल खेमू और उनके पिता रवि खेमू के खिलाफ दायर धोखाधड़ी की शिकायत पर संज्ञान लिया है। अदालत ने 29 दिसंबर को पारित आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175 (3) का हवाला देते हुए अंबोली पुलिस स्टेशन के प्रभारी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने पुलिस से इस मामले में अपना पक्ष रखने और बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया है, ताकि आगे की कार्रवाई तय की जा सके।

धमकी और कानूनी लड़ाई का लंबा इतिहास

यह विवाद नया नहीं है; निर्माता रवि अग्रवाल ने इससे पहले 2014 में भी अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन 2017 में तकनीकी कारणों से मामला खारिज हो गया था। अब नई शिकायत में अग्रवाल ने दावा किया है कि समझौता करने की कोशिशें नाकाम रहीं और आरोपियों की ओर से नई धमकियां मिलने के बाद रकार्रवाई का एक नया कारणर पैदा हुआ है। उन्होंने अभिनेता पिता-पुत्र पर आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक धमकी के गंभीर आरोप लगाए हैं।

FIR दर्ज करने की मांग, पुलिस की चुप्पी पर सवाल

शिकायतकर्ता के अधिवक्ता वेदिका चौबे के अनुसार, जनवरी 2024 में अंबोली पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद निर्माता ने अदालत से गुहार लगाई कि पुलिस को प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर मामले की जांच करने का निर्देश दिया जाए। अब अदालत द्वारा पुलिस को नोटिस जारी किए जाने के बाद इस हाई-प्रोफाइल मामले में नई तफ्तीश शुरू होने की संभावना है।

21 लाख रुपये की पेशगी और धोखाधड़ी का आरोप

फिल्म निर्माता रवि दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि लगभग दो दशक पहले उन्होंने 'ओवरटेक' नामक एक हिंदी फिल्म के लिए कुणाल खेमू को मुख्य भूमिका के लिए साइन किया था। शिकायत के अनुसार, बातचीत और कहानी सुनने के बाद कुणाल फिल्म में काम करने को तैयार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें 21 लाख रुपये की पेशगी (Advance) दी गई थी। निर्माता का दावा है कि पैसे लेने के बावजूद कुणाल और उनके पिता ने अपना वादा पूरा नहीं किया और अतिरिक्त धन की मांग शुरू कर दी, जिससे उन्हें व्यवसाय में भारी नुकसान उठाना पड़ा।

जलवायु संकट के बीच पारंपरिक बीजों पर जोर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गुरुवार (1 जनवरी 2026) को मुंबई के राजभवन में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कृषि विश्वविद्यालयों को पारंपरिक देशी बीजों के पुनरुद्धार का निर्देश दिया। वैश्विक जलवायु संकट की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को देशी बीजों का संस्कार कर उनका उन्नयन (upgradation) करना चाहिए ताकि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी किसानों की आय सुनिश्चित हो सके। राज्यपाल ने ऑडियो-विजुअल माध्यम से कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के कृषि एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

समय की मांग और स्वास्थ्य का आधार

राज्यपाल ने अपने संबोधन में हाइब्रिड (संकर) बीजों और रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ये बीज न केवल महंगे हैं, बल्कि इनके उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता भी खराब हो रही है और उत्पादित अनाज का पोषण मूल्य कम हो रहा है। उन्होंने जोर दिया कि भावी पीढ़ियों की खाद्य सुरक्षा के लिए प्राकृतिक खेती (Natural Farming) के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती को एक रुपवित्र और ईश्वरीय कार्य बताते हुए इसे एक जनआंदोलन बनाने की अपील की।

विश्वविद्यालयों के लिए 'मॉडल फार्म' और प्रशिक्षण के निर्देश

प्राकृतिक खेती के प्रसार के लिए राज्यपाल ने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को 'मॉडल फार्म' विकसित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को न केवल शोध पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि किसानों के लिए नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करनी चाहिए। बैठक में 'पोकरा' (POCRA) परियोजना और 'आत्मा' (ATMA) जैसे प्रमुख विभागों के अधिकारी भी शामिल थे, जिन्हें कृषि विकास की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा गया। इस उच्च स्तरीय बैठक में कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास चंद्र रस्तोगी, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे, और 'पोकरा' परियोजना के संचालक परिमल सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

'आपला पर्यावरण' कैलेंडर 2026 का विमोचन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की अग्रणी संस्था पर्यावरण दक्षता मंडल द्वारा नववर्ष के अवसर पर गुरुवार, 1 जनवरी 2026 को 'आपला पर्यावरण' विशेष कैलेंडर का विमोचन किया गया। ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के कर-कमलों द्वारा कैलेंडर का प्रकाशन संपन्न हुआ। इस अवसर पर पत्रिका के संपादक विद्याधर वालावलकर, उप-संपादक सुरभि ठोसर और संस्था के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। विमोचन के दौरान न केवल कैलेंडर, बल्कि संस्था के अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स जैसे निसर्गयान (मामनोली व टिटवाला) और 'ग्रीन शोपी' पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्था की सक्रियता को दर्शाते हैं।

वन संपदा पर आधारित: प्रकृति से जुड़ने का एक अनोखा माध्यम

वर्ष 2026 का यह कैलेंडर 'भारत के अद्भुत वन संसाधन' विषय पर केंद्रित है, जो पिछले चार वर्षों से जारी 'पर्यावरण शिक्षण घर-घर' अभियान का हिस्सा है। यह केवल तिथियों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की समृद्ध जैव विविधता और जंगलों की अनसुनी कहानियों का एक सफर है, जिसमें हर महीना प्रकृति के एक नए रंग से रूबरू कराता है। पर्यावरण दक्षता मंडल ने आम जनता से अपील की है कि वे इस कैलेंडर को अपने घरों का हिस्सा बनाएं या शिक्षण संस्थानों में दान करें। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं के भीतर पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी प्रकृति की भाषा को समझ सके।

गामी ग्राउंड में साकेत महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रुद्राभिषेक के साथ दी आहुति

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

सदगुरु फाउंडेशन के माध्यम से पावने स्थित गामी ग्राउंड में साकेत महायज्ञ का आयोजन किया गया है। दिनभर चलने वाले इस महायज्ञ में बुधवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उपस्थित रहकर हवन एवं रुद्राभिषेक में भाग लिया। इस अवसर पर सदगुरु श्री दयाल जी, विधायक महेश बालदी सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति देखने को मिल रही है, जिसमें विदेशों से आए भक्तों की भक्ति विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

परिक्रमा, आध्यात्मिक रहस्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम

महायज्ञ की परिक्रमा में दूरदराज क्षेत्रों के साथ-साथ विदेशों से आए हजारों पुरुष और महिलाएं दर्शन का लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यज्ञ की परिक्रमा कर रहे हैं, इस दौरान उपस्थित पंडितों द्वारा यज्ञ के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों की जानकारी दी जा रही है। भक्तों का कहना है कि यज्ञ परिक्रमा से कई जन्मों के पुण्य का लाभ मिलता है तथा सुख-शांति की अनुभूति होती है। महायज्ञ के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर कर दिया है। देशभर से आए सैकड़ों श्रद्धालु पंडाल में ठहरकर इस महायज्ञ में सहभागी बन रहे हैं। सुबह से शाम तक चलने वाले यज्ञ में भक्तों के लिए प्रतिदिन महाप्रसाद का आयोजन किया गया है, जिसका लाभ श्रद्धालु ले रहे हैं। सदगुरु श्री दयाल जी ने बताया कि साकेत महायज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को दिया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। सदगुरु फाउंडेशन ने अधिक से अधिक भक्तों से इस महायज्ञ में सहभागिता कर आध्यात्मिक लाभ लेने का आह्वान किया है।

आईटीआई सर्कल में 'स्वीप' अभियान के जरिए मतदान का संदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम के आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देशानुसार, शहर के विभिन्न प्रभागों में मतदाता जागरूकता (SVEEP) कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ठाणे के आईटीआई सर्कल में एक विशाल अभियान का आयोजन किया गया। स्वीप नोडल अधिकारी मिताली संचेती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में मनपा स्कूल नंबर 23, 102, 126 और 32 के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को लोकतंत्र में वोट की कीमत समझाई और बिना किसी डर के मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ली लोकतंत्र की शपथ

इस अभियान के दौरान न केवल विद्यार्थियों बल्कि शिक्षकों ने भी सक्रिय रूप से भाग लेकर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी लोगों को मतदान की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने निष्पक्ष और अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही गगनभेदी नारों के साथ पूरे क्षेत्र में चुनावी उत्साह का माहौल बनाया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं और पहली बार वोट देने वालों के बीच जागरूकता पैदा करना था, ताकि 15 जनवरी को अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान केंद्रों तक पहुंच सकें।

चित्रकारी के जरिए 'वोट फॉर ठाणे' का संदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है और मतदान संविधान प्रदत्त एक महत्वपूर्ण अधिकार है। इसी संदेश के साथ 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे मनपा चुनाव के लिए नागरिकों को जागरूक करने हेतु स्वीप (SVEEP) इनिशिएटिव के तहत कलवा में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें मतदान को लोकतंत्र की डोर बताया गया।

स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों को किया गया जागरूक

स्वीप टीम ने ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्कूल नंबर 69, 70 और 115 में विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया और उन्हें 18 वर्ष पूरे होने पर अपने मताधिकार के उपयोग के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को भी मतदान के प्रति जागरूकता और भागीदारी की शपथ दिलाई गई।

कलवा डिवीजन में पेंटिंग के जरिए संदेश

ठाणे मनपा आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देश पर, स्वीप पहल की नोडल अधिकारी मिताली संचेती के मार्गदर्शन में कलवा डिवीजन में यह अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूलों के छात्र-शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कलवा वार्ड कमेटी की सहायक आयुक्त ललिता जाधव ने मतदान की अहमियत समझाई। वहीं, टी.एम.पी. स्कूल नंबर 29 में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों ने 'वोट फॉर ठाणे' का संदेश देते हुए रचनात्मक चित्र बनाए और अपने अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

03 जनवरी से दो मेमू सेवाओं का विलय

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 69143/69144 विरार-संजान-विरार मेमू और ट्रेन संख्या 69141/69142 संजान-सूरत-संजान मेमू का विलय कर इन्हें ट्रेन संख्या 69141/69142 विरार-सूरत-विरार मेमू के रूप में चलाने का निर्णय लिया है, जो 03 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, ट्रेन संख्या 69141 विरार-सूरत मेमू 03 जनवरी 2026 से विरार से सुबह 05:15 बजे रवाना होकर 10:30 बजे सूरत पहुँचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 69142 सूरत-विरार मेमू उसी दिन शाम 17:30 बजे सूरत से प्रस्थान कर रात 23:30 बजे विरार पहुँचेगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल
प्रियंका जैन

मेष यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

वृष भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा।

कर्क विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

तुला किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

मकर कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कुंभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

जोड़ों के दर्द की समस्या और ज्योतिष

जोड़ों के दर्द की समस्या आज के समय में एक आम लेकिन अत्यंत कष्टदायक समस्या बन चुकी है। वैसे तो स्वास्थ्य से जुड़ी कोई भी परेशानी जीवन की गति को प्रभावित करती है, लेकिन जोड़ों का दर्द ऐसा कष्ट है जो व्यक्ति के पूरे जीवन को बोझिल बना देता है। जब चलना-फिरना, उठना-बैठना और दैनिक कार्य करना ही पीड़ादायक हो जाए, तो जीवन मानो ठहर-सा जाता है। घुटनों का दर्द अनेक लोगों के लिए बड़ी बाधा बन जाता है, वहीं कमर दर्द, गर्दन दर्द या रीढ़ की समस्या व्यक्ति को शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी कमजोर कर देती है। आधुनिक चिकित्सा में इसके कई कारण बताए जाते हैं, लेकिन वैदिक ज्योतिष भी इस समस्या को अपने दृष्टिकोण से समझाता है और इसके पीछे ग्रहों की भूमिका को स्पष्ट करता है।

ज्योतिष की चिकित्सीय शाखा हमारे स्वास्थ्य, शरीर की संरचना और विभिन्न अंगों की कार्यप्रणाली को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक ग्रह शरीर के किसी न किसी अंग या प्रणाली से जुड़ा होता है। हड्डियों और उनके जोड़ों के संदर्भ में शनि ग्रह को विशेष महत्व दिया गया है। सूर्य को जहां हमारे शरीर की हड्डियों और कैल्शियम का कारक माना गया है, वहीं हड्डियों के जोड़ों यानी जॉइंट्स का नैसर्गिक कारक शनि ग्रह है। इसका अर्थ यह हुआ कि शरीर में हड्डियों की मजबूती सूर्य से और हड्डियों के जोड़ों की स्थिति शनि से नियंत्रित होती है। इसलिए कुंडली में शनि की स्थिति यह तय करती है कि व्यक्ति को जोड़ों से संबंधित समस्याएं होंगी या नहीं।

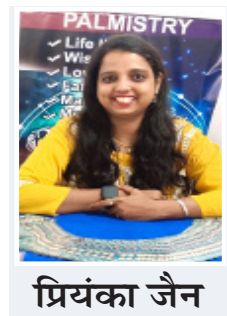

प्रियंका जैन
9769994439

यदि जन्मकुंडली में शनि मजबूत, शुभ और अनुकूल स्थिति में हो, तो व्यक्ति सामान्यतः जोड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं से बचा रहता है। इसके विपरीत, यदि शनि पीड़ित, निर्बल या अशुभ प्रभाव में हो, तो व्यक्ति को बार-बार या दीर्घकाल तक जोड़ों के दर्द की समस्या बनी रहती है। ऐसे लोगों को घुटनों का दर्द, कमर दर्द, गर्दन और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानी, कंधों और कोहनियों के जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं परेशान करती रहती हैं। कई बार यह दर्द धीरे-धीरे बढ़ता है और उम्र के साथ असहनीय रूप ले लेता है।

ज्योतिष के अनुसार कुंडली के कुछ भाव भी शरीर के विशेष अंगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दसवां भाव घुटनों से संबंधित माना गया है, छठा भाव कमर और रोगों का प्रतिनिधित्व करता है, तीसरा भाव कंधों और भुजाओं से जुड़ा होता है। सूर्य हड्डियों और शरीर की जीवन शक्ति का कारक है, इसलिए सूर्य की स्थिति भी सहायक भूमिका निभाती है। फिर भी, जोड़ों के दर्द की समस्या में मुख्य भूमिका शनि की ही मानी गई है, क्योंकि शनि को हड्डियों के सभी जोड़ों का प्रतिनिधि ग्रह माना गया है। यही कारण है कि जब कुंडली में शनि पीड़ित होता है, तभी व्यक्ति को लगातार या लंबे समय तक जॉइंट्स पेन की समस्या झेलनी पड़ती है।

कुंडली में कुछ विशेष ग्रहयोग ऐसे होते हैं, जिनके कारण जोड़ों के दर्द की संभावना अधिक बढ़ जाती है। यदि शनि छठे या आठवें भाव में स्थित हो, तो व्यक्ति को घुटनों, कमर और अन्य जोड़ों के दर्द की समस्या हो सकती है। शनि यदि अपनी नीच राशि मेष में हो, तो भी जोड़ों से संबंधित कष्ट बने रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आस्था संग 2026 का आगाज : काशी, मथुरा और अयोध्या में लगी कतार

लखनऊ। नए वर्ष 2026 के पहले दिन उत्तर प्रदेश में आस्था और श्रद्धा का विशेष माहौल देखने को मिला। भोर से ही प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। अयोध्या, काशी, मथुरा सहित कई धार्मिक स्थलों पर लोगों ने दर्शन-पूजन कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। रामनगरी अयोध्या में नववर्ष की पहली सुबह भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रामलला के दर्शन के लिए देश-विदेश से आए श्रद्धालु कतारबद्ध नजर आए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। अयोध्या में उमड़ी भीड़ ने साफ किया कि श्रद्धालु नए साल की शुरुआत प्रभु श्रीराम के दर्शन से करना चाहते हैं। धार्मिक नगरी काशी में भी नववर्ष पर आस्था का सैलाब देखने को मिला। काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शन के लिए सुबह से ही लंबी लाइनें लगी रहीं। प्रशासन ने अनुमानित भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और यातायात के विशेष प्रबंध किए। श्रद्धालुओं ने बताया कि नए साल के पहले दिन बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर वर्ष को मंगलमय बनाने की कामना की। मथुरा-वृंदावन में स्थित बांके बिहारी मंदिर में भी नववर्ष पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर तक पहुंचने वाली गलियां श्रद्धालुओं से भरी रहीं।

अमेठी में महिला की हत्या प्रधानपति नामजद

अमेठी। मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे मोहम्मद नेवाज गांव में भूमि विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल अधेड़ महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान शिवपता (55) के रूप में हुई है। परिजनों ने ग्राम प्रधान के पति सहित कई लोगों पर हमला कर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए एक आरोपी को हिरासत में लिया है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भूमि विवाद से जुड़े पुराने रिकॉर्ड और गवाहों के बयान जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी, वहीं फरार आरोपियों की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

प्रयागराज में मजदूर की चाकू से गोदकर हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के दिलदारगंज असरावल कला निवासी धर्मेन्द्र उर्फ धनेश सोनकर (34) पुत्र जुग्गुन सोनकर का शव गांव के बाहर आज सुबह देखा गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच की। प्रारंभिक जांच में युवक की धारदार हथियार से गोदकर हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है।

नेपाल पुलिस की फायरिंग में कारोबारी की मौत, हिंसा

सीमा क्षेत्र में तनाव, पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर आवागमन ठप

नाराज लोगों ने सड़क पर शव रख किया प्रदर्शन, चौकी फूंकी

एजेंसी । अररिया

भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिले में एक कारोबारी की पुलिस फायरिंग में मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। नववर्ष के पहले दिन कोसी गांवपालिका और लौकही क्षेत्र में पुलिस व ग्रामीणों के बीच दिनभर टकराव चलता रहा, जिससे नेपाल का प्रमुख पूर्व–पश्चिम राजमार्ग जाम रहा और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया और लोग सड़क पर प्रदर्शन करते रहे।

तस्करी रोकने के दौरान चली गोली

जानकारी के अनुसार, बीती रात भारत से नेपाल सामान ले जा रहे 45 वर्षीय कारोबारी विजय साह को सशस्त्र पुलिस बल ने रोकने की कोशिश की। वाहन न रुकने पर फायरिंग हुई, जिसमें विजय साह की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का दावा है कि यह जवाबी कार्रवाई थी, जबकि स्थानीय लोग इसे सीधी गोलीबारी बताकर हत्या का आरोप लगा रहे हैं।

जांच के बीच बढ़ा आक्रोश

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से खोखे बरामद किए गए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही फायरिंग से जुड़े तथ्य स्पष्ट होंगे। उधर, घटना के विरोध में प्रदर्शन जारी रहने से सीमा क्षेत्र में तनाव बना हुआ है और सुरक्षा एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस चौकी फूंकी, सड़क पर प्रदर्शन

घटना से आक्रोशित लोगों ने कारोबारी का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और पुलिस चौकी में आग लगा दी। हालात काबू में करने के लिए नेपाल पुलिस ने आंसू गैस का प्रयोग किया, जबकि प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव और पेट्रोल बम फेंके जाने की सूचना है। झड़पों में दर्जनों सशस्त्र पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात सामने आई है। स्थिति को देखते हुए जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के आसपास अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने किया 2026 का स्वागत

2025 की आखिरी रात रही सबसे सर्द, न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस

एजेंसी । पटना

बिहार में नववर्ष 2026 की पहली सुबह भीषण ठंड और घने कोहरे की चपेट में रही। 31 दिसंबर की रात इस मौसम की सबसे सर्द रातों में शामिल रही, जब कई जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। सुबह होते ही अधिकांश इलाकों में दृश्यता बेहद कम रही और जनजीवन पर ठंड का व्यापक असर दिखा। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, सीवान और पश्चिम चंपारण सहित कई जिलों में घना कोहरा और कोल्ड-डे की स्थिति बनी रही। ठंडी हवाओं के कारण कनकनी तेज रही, जिसे देखते हुए इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

सात जनवरी से राहत की उम्मीद

मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार से ठंड और कोहरे में धीरे-धीरे कमी आने की उम्मीद है। अगले तीन दिनों में दिन और रात के तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। 7 जनवरी तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में ठंड से राहत मिलने के आसार हैं, हालांकि उत्तर बिहार के कुछ जिलों में सुबह-शाम कोहरे का प्रभाव बना रह सकता है। तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो गया जी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य में सबसे कम रहा। पटना में यह 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि छपरा में तापमान गिरकर 6.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सबसे सर्द रात वाले जिलों में गया जी के अलावा सबौर, राजगीर, छपरा और औरंगाबाद शामिल रहे।

भारत–नेपाल सीमा से तीन बांग्लादेशी समेत चार गिरफ्तार

संदिग्धों की तलाश में एसएसबी ने की गिरफ्तारी

एजेंसी । मोतिहारी

भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रक्सौल सेक्टर में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्तियों में तीन बांग्लादेशी नागरिक और एक भारतीय युवक शामिल है, जो अवैध रूप से सीमा पार कराने में संलिप्त बताया जा रहा है।

सुरक्षा एजेंसियां कर रही गहन पूछताछ

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि वे किस उद्देश्य से और किन नेटवर्क के माध्यम से अवैध तरीके से सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। मामले को अंतरराष्ट्रीय सीमा सुरक्षा से जोड़कर गंभीरता से जांच की जा रही है।

गुप्त सूचना पर घेराबंदी, जांच में खुली पोल

एसएसबी अधिकारियों के अनुसार सीमा क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद संभावित इलाकों में घेराबंदी की गई। तलाशी और पूछताछ के दौरान तीनों युवकों की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में हुई, जबकि उनके साथ मौजूद युवक भारतीय नागरिक निकला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि भारतीय युवक उनकी सीमा पार कराने में मदद कर रहा था।

नकदी, मोबाइल के साथ पासपोर्ट बरामद

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से भारतीय, नेपाली और बांग्लादेशी मुद्रा, अमेरिकी डॉलर, कई मोबाइल फोन तथा तीन बांग्लादेशी पासपोर्ट बरामद किए गए हैं। एसएसबी ने सभी आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया है।

पत्नी ने प्रेमी भांजे संग रची कत्ल की साजिश

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक जघन्य हत्याकांड सामने आया है। करबई थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेम संबंध के आड़े आ रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए अपने ही भांजे के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 11 दिसंबर को गंगामाई पहाड़ के पास 45 वर्षीय माली श्याम सुंदर का शव संदिग्ध हालात में बरामद हुआ था। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हुआ, जिसके बाद पुलिस ने गहन पड़ताल शुरू की। जांच आगे बढ़ने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मृतक की पत्नी गोमती का अपने भांजे सुजीत कुमार उर्फ लालू सैनी (निवासी—जसपुरा, बांदा) से प्रेम संबंध था और वह उससे विवाह करना चाहती थी। पति इस रिश्ते में बाधा बन रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि 10 दिसंबर को दोनों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत श्याम सुंदर की हत्या कर दी और शव को पहाड़ी क्षेत्र में फेंक दिया, ताकि मामला दुर्घटना जैसा प्रतीत हो। घटना के बाद मृतक का बेटा कृष्ण कुमार लगातार पिता की मौत के पीछे की सच्चाई जानने का प्रयास कर रहा था।

माघ मेला: संगम तट तैयार, पहला स्नान कल

तीन जनवरी को पहला तो 15 फरवरी को होगा आखिरी स्नान

42 स्थानों पर पार्किंग बनाई गई, 450 कैमरे से होगी निगरानी

आस्था, संस्कृति और परंपरा का समागम

प्रयागराज। त्रिवेणी संगम तट पर 44 दिनों तक चलने वाले माघ मेला 2026 का आगाज तीन जनवरी से हो रहा है। तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा का पहला स्नान है। जबकि मेले का समापन 15 फरवरी, 2026 को महाशिवरात्रि के साथ होगा। इस धार्मिक मेला में लाखों श्रद्धालु नौका, कल्पवासियों और साधुओं के संग गंगान स्नान के लिए एकत्र होंगे। प्रमुख स्नान पर्वों में तीन जनवरी (पौष पूर्णिमा), 14/15 जनवरी (मकर संक्रांति), 18 जनवरी (मौनी अमावस्या), 23 जनवरी (वसंत पंचमी), एक फरवरी (माघी पूर्णिमा) और 15 फरवरी (महाशिवरात्रि) शामिल हैं, जिन्हें अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है।

प्रयागराज माघ मेला न केवल धार्मिक आयोजन है बल्कि यह सनातन संस्कृति और आस्था का प्रतीक भी है। आधुनिक प्रबंधन, बेहतर सुविधाओं और व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के साथ यह मेला प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धालुओं के लिए भक्ति और आध्यात्म का महापर्व साबित होगा। जो जनवरी से कल्पवार्शियों का आगमन शुरू हो जाएगा। इसके लिए अलग-अलग रूट पर पार्किंग की व्यवस्था के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है।

42 पार्किंग स्थल और सुरक्षा प्रबंध

मेला प्रशासन ने आयोजन को सुचारु और सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने के लिए कुल 42 स्थानों पर समर्पित पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की है, जहां श्रद्धालु अपने वाहनों को सुरक्षित रूप से खड़ा कर सकेंगे। पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय के अनुसार, संगम के तट पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली गई है तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

संगम पर दर्शन-स्नान का उत्साह

तीर्थ यात्री और कल्पवासी इस अवसर पर संगम के पावन जल में स्नान कर जीवन में शांति, मोक्ष और समृद्धि की कामना करेंगे। प्रशासन ने मेले के दौरान यातायात, स्वास्थ्य, सीसीटीवी निगरानी, नौ पांटून पुल और आपात सेवाओं के विस्तृत इंतजाम किए हैं, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के अपने धार्मिक अनुष्ठानों का पालन कर सकें।

व्यापार जगत

साल के पहले दिन निवेशकों को 1.13 लाख करोड़ का फायदा

एजेंसी । नई दिल्ली

साल 2026 के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला रुझान रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव करते हुए बंद हुए। दुनिया के कई प्रमुख बाजारों में नववर्ष के अवसर पर बंद रहने का असर भी आज स्थानीय बाजार पर दिखाई दिया।

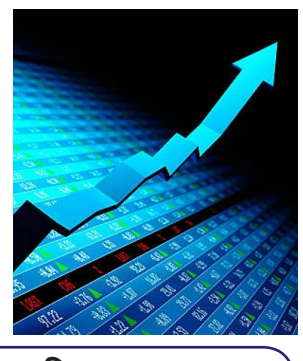

सेंसेक्स और निफ्टी का दिनभर का हाल

सेंसेक्स 32 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,188.60 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 16.95 अंक की हल्की बढ़त के साथ 26,146.55 अंक पर कारोबार का समापन किया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 85,451.70 अंक तक उछला और 85,101.52 अंक तक गिरा। निफ्टी ने दिन में 26,197.55 अंक तक तेजी और 26,113.40 अंक तक कमजोरी देखी।

सेक्टरवार प्रदर्शन और ब्रॉडर मार्केट

एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर में बिकवाली रही, वहीं बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स और मेटल सेक्टर मजबूत बने। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.02 प्रतिशत कमजोर रहा। आज के कारोबार के बावजूद बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 476.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिससे निवेशकों को लगभग 1.13 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। बीएसई में 4,335 शेयरों में सक्रिय कारोबार हुआ; इनमें 2,211 हरे निशान में और 1,952 लाल निशान में बंद हुए।

बजाज आटो, NTPC को भारी मुनाफा

आज के टॉप गेनर्स में श्रीराम फाइनेंस 2.36 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.30 प्रतिशत, एटरनल 2.07 प्रतिशत, एनटीपीसी 2.05 प्रतिशत और विप्रो 1.55 प्रतिशत के साथ शामिल रहे। वहीं आईटीसी 9.71 प्रतिशत, डॉ. रेड्डीज 1.42 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.39 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर 1.27 प्रतिशत और ओएनजीसी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स रहे। निवेशक वर्ष की शुरुआत सतर्कता और मिले-जुले रुझान के साथ कर रहे हैं, जबकि कुछ प्रमुख सेक्टरों में मजबूती बनी हुई है।

HMIL: तरुण गर्ग बने एमडी एवं सीईओ

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में तरुण गर्ग ने गुरुवार को पदभार संभाल लिया। 29 साल की भारतीय इकाई के इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई भारतीय नागरिक कंपनी का नेतृत्व कर रहा है। तरुण गर्ग, दक्षिण कोरिया के उनसू किम का स्थान लेंगे, जो अब हुंडई मोटर कंपनी (एचएमसी) में रणनीतिक भूमिका निभाएंगे। पदभार संभालते हुए गर्ग ने कहा, "मेरा लक्ष्य कंपनी की मजबूत नींव को आगे बढ़ाते हुए सतत विकास, प्रौद्योगिकी नेतृत्व और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करना है।"

आईआईएम लखनऊ से की है पढ़ाई

दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और आईआईएम लखनऊ से एमबीए करने वाले तरुण गर्ग के पास तीन दशकों से अधिक का ऑटोमोटिव अनुभव है। उन्होंने मारुति सुजुकी में मार्केटिंग, लॉजिस्टिक्स और पार्ट्स एवं एक्सेसरीज विभाग में कार्य करते हुए एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर तक का पद संभाला। कंपनी के मुताबिक, उनके अनुभव और विशेषज्ञता के दम पर एचएमआईएल का भारत में विकास का अगला चरण मजबूती से आगे बढ़ेगा।

2025 में ऑटो बाजार ने पकड़ी रफ्तार, रिकार्ड बिक्री

नई दिल्ली। वर्ष 2025 भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए उत्साहजनक साबित हुआ। जीएसटी में कटौती और मांग में सुधार का असर यह रहा कि यात्री और यूटिलिटी वाहनों की बिक्री में सालभर मजबूत बढ़त दर्ज की गई। दिसंबर माह में भी वाहनों की जोरदार बिक्री ने कंपनियों के सालाना आंकड़ों को नई ऊंचाई दी। मारुति सुजुकी इंडिया ने दिसंबर 2025 में कुल बिक्री में 22 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए 2.17 लाख से ज्यादा वाहन बेचे। घरेलू यात्री वाहनों की मांग में खासा उछाल रहा, जबकि यूटिलिटी वाहनों की बिक्री भी उल्लेखनीय रही। हालांकि निर्यात में इस दौरान गिरावट देखी गई। किआ इंडिया ने दिसंबर में बिक्री को दोगुने से अधिक करते हुए मजबूत प्रदर्शन किया और वर्ष 2025 में उसकी कुल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी दिसंबर में 25 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 86 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री की। घरेलू यात्री वाहन खंड में कंपनी की पकड़ और मजबूत हुई। वहीं जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 2025 में 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 70 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री दर्ज की, जिसमें आईसीई और इलेक्ट्रिक दोनों सेगमेंट का योगदान रहा। स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए भी 2025 यादगार रहा। कंपनी की बिक्री दोगुने से अधिक बढ़कर 72,665 इकाई पर पहुंच गई, जो भारत में उसके अब तक के सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रदर्शन में शामिल है। कुल मिलाकर वर्ष 2025 में ऑटो सेक्टर ने मजबूती दिखाई है और उद्योग को नए साल में भी सकारात्मक रुख की उम्मीद है।

सांख्यिकी मंत्रालय ने पेश किया नया लोगो और शुभंकर

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार को अपने नए लोगो और शुभंकर का उद्घाटन किया। यह कदम मंत्रालय की संस्थागत पहचान को आधुनिक बनाने, जनता के साथ संवाद बढ़ाने और आधिकारिक आंकड़ों के महत्व को उजागर करने की दिशा में उठाया गया है। मंत्रालय ने नया शुभंकर "सांख्यिकी" भी पेश किया है। यह मैत्रीपूर्ण और लोक-केंद्रित चरित्र जटिल आंकड़ों को सरल, आकर्षक और समझने योग्य बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। शुभंकर मंत्रालय के मूल मूल्यों—सटीकता, पारदर्शिता और डेटा-आधारित शासन—को दर्शाता है और एनएसओ सर्वेक्षण, जागरूकता अभियान, शैक्षिक सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपयोग किया जाएगा। सांख्यिकी मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, यह पहल जनता में आधिकारिक आंकड़ों में विश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक निर्णयों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नए लोगो में निहित प्रतीक और संदेश

नए लोगो में अशोक चक्र का समावेश पारदर्शिता, सत्य और सुशासन का प्रतीक है। केंद्रीय रुपये का चिन्ह आर्थिक योजना और नीति निर्माण में आंकड़ों की भूमिका को रेखांकित करता है। संख्याओं और प्रतीकों का उपयोग आधुनिक डेटा प्रणाली और सांख्यिकी विज्ञान को दर्शाता है। ऊपर की ओर बढ़ती विकास रेखा सतत आर्थिक प्रगति और विश्वसनीय डेटा के महत्व को बताती है। केसरिया, सफेद, हरा और गहरा नीला रंग भारत के विकास, सत्य, स्थिरता और ज्ञान जैसे राष्ट्रीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दिसंबर में GST संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये पार

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था के लिए सुखद खबर है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में दिसंबर 2025 में 6.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सकल जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 1.64 लाख करोड़ रुपये रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी संग्रह में यह वृद्धि सरकार के राजस्व पोर्टफोलियो को मजबूत करती है और आगामी बजट एवं विकास योजनाओं के लिए वित्तीय आधार तैयार करती है।

सेंट्रल, स्टेट और आईजीएसटी में वृद्धि

जीएसटी महानिदेशालय के अनुसार दिसंबर में सेंट्रल जीएसटी (सीजीएसटी) 34,289 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी (एसजीएसटी) 41,368 करोड़ रुपये और आयातित वस्तुओं पर आईजीएसटी 98,894 करोड़ रुपये रहा। घरेलू लेन-देन से राजस्व में मामूली 1.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 1.22 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व में 19.7 फीसदी की तेजी रही और 51,977 करोड़ रुपये रहा।

कर रिफंड और शुद्ध संग्रह

दिसंबर में कर रिफंड 31 फीसदी बढ़कर 28,980 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजन के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.45 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.2 फीसदी अधिक है। वहीं, उपकर संग्रह घटकर 4,238 करोड़ रुपये पर रहा, जो पिछले वर्ष के समान महीने में 12,003 करोड़ रुपये था।

लोकपाल का 'लग्जरी यू-टर्न'

भारी विरोध के बाद 7 BMW कार खरीद का विवादित टेंडर रद्द

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की भ्रष्टाचार-रोधी संस्था लोकपाल ने सात लग्जरी BMW (बीएमडब्ल्यू) कारों की खरीद से जुड़ा विवादित टेंडर आखिरकार वापस ले लिया है। इस फैसले के पीछे विपक्षी दलों और सिविल सोसाइटी से लगातार उठती आलोचनाओं को अहम वजह माना जा रहा है, जिनमें सार्वजनिक धन के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े किए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, यह निर्णय लोकपाल की पूर्ण पीठ ने लिया और 16 दिसंबर 2025 को एक आधिकारिक संशोधन (कॉरिजेंडम) के जरिए इसे औपचारिक रूप दिया गया।

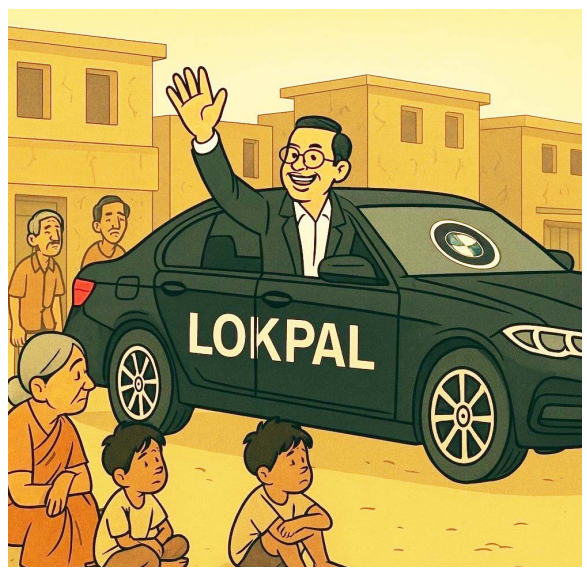

अक्तूबर में जारी हुआ था टेंडर, तुरंत शुरू हुआ विरोध

लोकपाल ने 16 अक्तूबर 2025 को एक रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करते हुए सात BMW 3 Series 330Li कारों की आपूर्ति के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से बोली मांगी थी। इन कारों को संस्था के अध्यक्ष और छह सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से आवंटित किया जाना था। टेंडर सामने आते ही इसके औचित्य पर सवाल उठने लगे और आलोचकों ने इसे लोकपाल की भूमिका और मूल भावना के विपरीत बताया।

विपक्ष और सिविल सोसाइटी की तीखी प्रतिक्रिया

इस प्रस्ताव को लेकर विपक्षी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लोकपाल को श्शौकपालश्र तक कह दिया। वहीं, अमिताभ कांत ने सार्वजनिक रूप से आग्रह किया कि लोकपाल को यह टेंडर रद्द कर देना चाहिए। और इसके बजाय भारत में बनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर विचार करना चाहिए। आलोचकों का कहना था कि भ्रष्टाचार से लड़ने वाली संस्था द्वारा लग्जरी वाहनों की खरीद उसकी नैतिक साख को कमजोर करती है।

करीब 5 करोड़ की थी प्रस्तावित खरीद

टेंडर दस्तावेजों के अनुसार, लोकपाल ने BMW 330Li M Sport मॉडल की मांग की थी, जिनका रंग सफेद और व्हीलबेस लंबा होना तय किया गया था। नई दिल्ली में इन सात कारों की अनुमानित ऑन-रोड कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई गई थी। इन वाहनों का उपयोग लोकपाल के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस ए एम खानविलकर, और संस्था के छह सदस्यों के लिए किया जाना था। कानून के तहत लोकपाल में अधिकतम आठ सदस्य हो सकते हैं।

ड्राइवर ट्रेनिंग तक की थी पूरी योजना

टेंडर में सिर्फ कारों की आपूर्ति ही नहीं, बल्कि ड्राइवरों के लिए विशेष प्रशिक्षण की भी शर्तें रखी गई थीं। चयनित वेंडर को ड्राइवरों और नामित कर्मचारियों के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक ट्रेनिंग आयोजित करनी थी। इसमें BMW कारों के कंट्रोल, सेफ्टी फीचर्स, इमरजेंसी हैंडलिंग, पार्किंग तकनीक और फ्यूल एफिशिएंसी मोड्स की जानकारी देना शामिल था।

साख बचाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा फैसला

हालांकि लोकपाल ने टेंडर रद्द करने के पीछे आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत कारण नहीं बताया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक यह निर्णय संस्था के शीर्ष स्तर पर हुई चर्चाओं के बाद लिया गया।

लोकपाल का 'लग्जरी' यू-टर्न

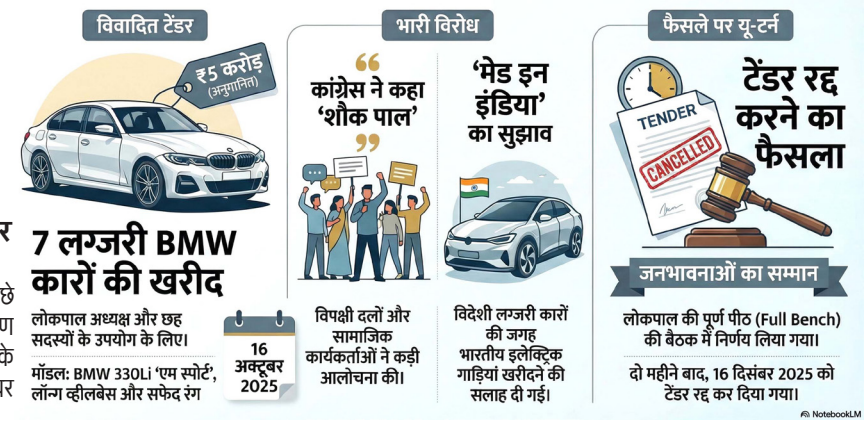

बांग्लादेश में फिर हिंदू शख्स की लिंचिंग

पहले सरेराह मारा, फिर जिंदा जलाने की कोशिश

शरियतपुर। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब शरियतपुर जिले में एक हिंदू दवा विक्रेता खोकन दास पर हिंसक हमला हुआ है। बताया गया कि 50 वर्षीय खोकन दास पर पहले धारदार हथियारों से वार किया गया, उसके बाद मारपीट की गई, और शरीर पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की गई। यह घटना 31 दिसंबर को हुई, जब वे अपने घर लौट रहे थे। खोकन दास गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

निशाने पर हिंदू

गौरतलब है कि 18 दिसंबर 2025 को मयमनसिंह जिले के भालुका में हिंदू गारमेंट वर्कर दीपू चंद्र दास पर ईशनिंदा के आरोप लगाकर भीड़ ने हमला किया। उसे भी पहले पीटा गया, पेड़ से लटकाया गया और शरीर पर आग लगाई गई, जिससे उनकी मौत हो गई। जांच में आरोप की पुष्टि नहीं हुई और पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं, 28 दिसंबर को पिरोजपुर जिले के दुमरितला गांव में हिंदू परिवारों के घरों पर आगजनी की कोशिश की गई। चट्टोग्राम के रावजान क्षेत्र में कई हिंदू घरों को निशाना बनाकर आग लगाई गई, जहां परिवारों को दरवाजे बंद करके जलाने की कोशिश हुई, लेकिन वे सुरक्षित बच निकले।

बता दें कि बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे विश्वभर में चिंता और कई मानवाधिकार संगठनों में आक्रोश व्यक्त किया गया है। पिछले सप्ताह भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ 'लगातार जारी शत्रुता' पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि वह अपने पड़ोस में हो रही घटनाओं पर कड़ी नजर रख रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

एयर मार्शल नागेश कपूर ने संभाला वायुसेना उपप्रमुख का पदभार

नई दिल्ली। एयर मार्शल नागेश कपूर ने गुरुवार को भारतीय वायु सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस नियुक्ति से पहले वे दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी का स्थान लिया है, जो देश की चार दशकों तक सेवा करने के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हुए। वायु सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि दिसंबर 1986 में फ्लाइंग ब्रांच में नियुक्त हुए कपूर को विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों को उड़ाने का व्यापक अनुभव है। वायु भवन में कार्यभार संभालने के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्लेन उड़ाने से पहले एयर इंडिया पायलट ने शराब पी

वैंकूवर। कनाडा के वैंकूवर से दिल्ली आने वाली एअर इंडिया फ्लाइट के पायलट को विमान से उतार दिया गया। पायलट पर शराब पीने का आरोप था। मामला 23 दिसंबर का है, एयर इंडिया की फ्लाइट AI186 टेक-ऑफ करने वाली थी। तभी वैंकूवर एयरपोर्ट के एक स्टाफ ने पायलट को वाइन पीते हुए देखा। जिसके बाद कर्मचारी ने अधिकारियों से शिकायत की। कनाडाई अधिकारियों पायलट के पास जांच करने पहुंचे तो उसके मुंह के पास से महक आई। फिर पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट लिया गया। जिसमें वह फेल हो गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार फ्लाइट को ऑपरेट करने के लिए एक दूसरे पायलट को रोस्टर में शामिल किया गया था।

जल्द ही पेट्रोल पंप बदले हुए नजर आएंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

जल्द ही देश के पेट्रोल पंप केवल ईंधन भरने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे आधुनिक ऊर्जा स्टेशन के रूप में विकसित होंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है, जहां पेट्रोल-डीजल के साथ जैव ईंधन, सीएनजी, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने वर्ष 2028-29 तक चार हजार ऊर्जा स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है।

हाइवे पर बनेंगे 500 वातानुकूलित आराम-घर

सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ट्रक ड्राइवरों के आराम की व्यवस्था पर भी ध्यान दे रहा है। मंत्रालय के अनुसार हाइवे पर दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह ट्रक चालकों को पर्याप्त आराम न मिलना है। इस समस्या के समाधान के लिए बड़े राजमार्गों पर वातानुकूलित आराम-घर बनाए जा रहे हैं।

2026 तक ढाई हजार ऊर्जा स्टेशन

तेल कंपनियों के अनुसार वर्ष 2026 तक देश में ऊर्जा स्टेशनों की संख्या ढाई हजार तक पहुंचने की संभावना है। मंत्रालय का कहना है कि पेट्रोल पंपों को एकीकृत गतिशीलता केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए पर्याप्त भूमि की आवश्यकता होती है। इसी कारण ऊर्जा स्टेशनों का चयन ऐसी जगहों पर किया जा रहा है, जहां जमीन की कोई कमी नहीं है और भविष्य के विस्तार की गुंजाइश बनी रहे।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने वर्ष 2026 तक अधिक से अधिक पेट्रोल पंपों और सीएनजी स्टेशनों पर प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाने का लक्ष्य रखा है। मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 में जहां एक लाख पीओएस मशीनें थीं, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर ढाई लाख हो गई है। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत लगभग सभी खुदरा ईंधन स्टेशनों पर शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की गई है, जिनमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय हैं। इस वर्ष दिव्यांगों के लिए शौचालय निर्माण पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

भारत- पाकिस्तान ने साझा की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची

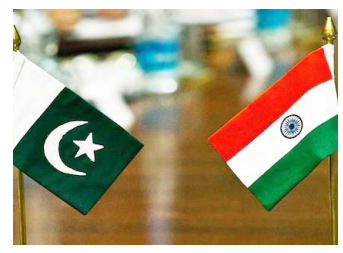

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनातनी के बावजूद दोनों देशों ने गुरुवार को तीन दशक पुरानी व्यवस्था के तहत अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक-दूसरे को सौंपी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने से जुड़े द्विपक्षीय समझौते के तहत हुआ। मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच यह प्रक्रिया राजनयिक माध्यम से पूरी की गई।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को हस्ताक्षर हुए थे और यह 27 जनवरी 1991 से लागू है। इसके तहत दोनों देशों को हर वर्ष 1 जनवरी को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की जानकारी साझा करनी होती है। मंत्रालय के मुताबिक, यह दोनों देशों के बीच सूचियों का लगातार 35वां आदान-प्रदान है, जबकि पहला आदान-प्रदान 1 जनवरी 1992 को हुआ था।

ईरान में आर्थिक संकट को लेकर उग्र प्रदर्शन

अर्धसैनिक बल के एक सदस्य की मौत, 13 अन्य घायल

दुबई। ईरान में बढ़ती महंगाई और गिरती मुद्रा के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन बुधवार देर रात हिंसक हो गया। पश्चिमी लोरेस्टान प्रांत के कुहदाश्त में अर्धसैनिक बल बासिज मिलिशिया के एक सदस्य की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हुए हैं। यह प्रदर्शन रविवार को दुकानदारों द्वारा शुरू किया गया था, जो अब देशव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है।

ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, बुधवार रात कई शहरों में सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं और गोलीबारी की घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। कुछ इलाकों में सरकारी इमारतों में तोड़फोड़ की कोशिश भी की गई, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए।

राजनीतिक नारे और गिरफ्तारियां

सूत्रों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने ईरान के निर्वासित राजा रजा पहलवी के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान कई छात्र प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, हालांकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन में असामाजिक तत्व शामिल होकर हिंसा फैला रहे हैं।

महंगाई के आंकड़े और सरकार की प्रतिक्रिया

ईरान में दिसंबर में मुद्रास्फीति दर 42.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसके विरोध में सात विश्वविद्यालयों के छात्र, व्यापारी और आम नागरिक सड़कों पर उतर आए हैं। बुधवार को देश के कई हिस्सों में बाजार बंद रहे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रदर्शनकारियों की जायज मांगें सुनने की बात कही है, जबकि सरकारी प्रवक्ता फातिमा मोहजरानी ने बताया कि अधिकारी ट्रेड यूनियनों और व्यापारियों से सीधी बातचीत कर समाधान निकालने की कोशिश करेंगे।

असम में भी भाजपा का बिहार वाला दांव

राज्य की 37 लाख महिलाओं को 8 हजार रुपए देने का ऐलान

एजेंसी । दिसपुर

असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारी कर ली है। बिहार में सफल दांव को पार्टी ने असम में भी खेलने का फैसला किया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में ऐलान किया कि असम की 37 लाख महिलाओं को 8000 रुपए दिए जाएंगे।

सरकार का मास्टरस्ट्रोक

उन्होंने लिखा कि ओरुनोदोई योजना के तहत राज्य में लाभ पाने वाली 37 लाख महिलाओं को बोहाग बिहू से पहले 8000 रुपए की नकद सहायता राशि दी जाएगी। यह राशि 20 फरवरी को सीधे इन लाभार्थियों के खाते में आएगी। सरकार के अनुसार, इन 8000 रुपए में जनवरी से अप्रैल के की अवधि के लिए ओरुनोदोई योजना के 5000 रुपए भी शामिल हैं। इसके अलावा 3000 हजार रुपए की अतिरिक्त रकम बिहू के उपहार के तौर पर दी जाएगी। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की आजीविका को मजबूती देना और आर्थिक सहारा प्रदान करना है। हालांकि, विशेषज्ञ इस फैसले को आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। ओरुनोदोई योजना के तहत मिलने वाली अप्रैल तक की राशि को पहले भी खाते में भेजना सरकार का एक मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर बढ़ा टैक्स

मौजूदा 40 प्रतिशत जीएसटी के अतिरिक्त होगा यह शुल्क

नई कर व्यवस्था 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में तंबाकू नियंत्रण और राजस्व ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। यह नई कर व्यवस्था 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी होगी, जो धूम्रपान करने वालों की जेब पर सीधा असर डालेगी। सरकार ने सिगरेट की लंबाई और उसके प्रकार को आधार बनाकर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क निर्धारित किया है।

हाल ही में संसद द्वारा पारित किया गया विधेयक

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नया उत्पाद शुल्क कोई स्वतंत्र टैक्स नहीं है, बल्कि यह तंबाकू उत्पादों पर पहले से लागू 40 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (GST) के अतिरिक्त देय होगा। हाल ही में संसद द्वारा पारित 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' के माध्यम से इस बदलाव को कानूनी रूप दिया गया है।

सौगात — रेल मंत्री ने हाईटेक ट्रेन के रूट की आधिकारिक घोषणा की

गुवाहाटी-कोलकाता रूट पर उतरेगी पहली वंदे भारत स्लीपर

एजेंसी । नई दिल्ली

देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की बड़ी सौगात मिल गई है। नए साल के अवसर पर रेल मंत्री ने इस हाईटेक ट्रेन के रूट की आधिकारिक घोषणा की। रेल मंत्री ने बताया कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी और कोलकाता के बीच चलेगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के शुरू होने से पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर असम और पश्चिम बंगाल को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा और लंबी दूरी की यात्रा ज्यादा आसान और आरामदायक बन सकेगी। चुनावी नजरिए से देखें तो यह ट्रेन पश्चिम बंगाल और असम के लिए भी एक अहम सौगात मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

इस ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम 17 या 18 जनवरी को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। रेलवे की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। जैसे ही ट्रेन की लॉन्चिंग तारीख तय होगी, टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी जाएगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें यात्रियों के आराम और सुविधा का खास ध्यान रखा गया है। आम यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में थर्ड एसी कोचों की संख्या ज्यादा रखी गई है, ताकि अधिक लोग किफायती किराए में सफर कर सकें।

16 कोच की होगी ट्रेन, 823 यात्री कर सकेंगे सफर

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 16 कोच की होगी। इसमें अलग-अलग श्रेणियों के कोच शामिल किए गए हैं। इस ट्रेन में 11 थर्ड एसी, चार सेकंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच होंगे। कुल मिलाकर ट्रेन में 823 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। इस सेमी हाई स्पीड ट्रेन की स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। इसमें यात्रियों के लिए इसमें आरामदायक और मुलायम बर्थ होगी। दो कोचों के बीच ऑटोमेटिक दरवाजे और वेस्टीब्यूल, बेहतर सस्पेंशन और कम शोर की सुविधा दी गई है। जिससे सफर ज्यादा आरामदायक होगा।

यह होगा दोनों शहर के बीच किराया

गुवाहाटी-कोलकाता वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए संभावित किराया भी सामने आ गया है। थर्ड एसी का किराया करीब 2,300 रुपये, सेकंड एसी का 3,000 रुपये और फर्स्ट एसी का किराया लगभग 3,600 रुपये रखा जा सकता है। रेल मंत्री ने बताया, इस ट्रेन का किराया हवाई जहाज के किराए से काफी कम रखा गया है।

इस ट्रेन में परोसे जाएंगे असम और बंगाल के व्यंजन

रेल मंत्री ने बताया कि स्वदेशी तकनीक से तैयार वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने हाल ही में अपना अंतिम हाई-स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह परीक्षण कोटा-नागदा सेक्शन पर किया गया, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। यह हाई-स्पीड ट्रायल रेलवे सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में किया गया था। ट्रायल की सफलता के बाद अब इस ट्रेन के व्यावसायिक संचालन का रास्ता साफ हो गया है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में यात्रियों के लिए क्षेत्रीय मेहमाननवाजी का भी खास इंतजाम किया जाएगा। गुवाहाटी से रवाना होने वाली ट्रेनों में असम के पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे, ताकि यात्रियों को स्थानीय स्वाद का अनुभव मिल सके। वहीं, कोलकाता से चलने वाली ट्रेनों में बंगाली खानपान उपलब्ध कराया जाएगा।

खबर चुनावी है

भारी विरोध के बाद भाजपा प्रत्याशी पूजा मोरे ने वापस लिया नाम

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले भाजपा को एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। पार्टी द्वारा वार्ड नंबर 2 (फुलेनगर-नागपुर चॉल) से घोषित उम्मीदवार पूजा मोरे (पूजा धनंजय जाधव) ने गुरुवार (1 जनवरी 2026) को अपना नामांकन वापस ले लिया। टिकट मिलने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके पुराने वीडियो और विवादित बयानों को लेकर भारी ट्रोलिंग हो रही थी, जिसके दबाव में आखिरकार उन्हें चुनावी मैदान से हटने का फैसला लेना पड़ा।

कौन हैं पूजा मोरे और क्या है राजनीतिक सफर?

मूल रूप से बीड जिले की रहने वाली पूजा मोरे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) से जुड़ी थीं। 2024 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने युवराज संभाजी छत्रपति की 'महाराष्ट्र स्वराज्य पार्टी' के टिकट पर गेवराई सीट से चुनाव लड़ा था, जहाँ उन्हें केवल 1,710 वोट मिले थे। हाल ही में उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। उन पर जुलाई 2025 में एक उत्सव के दौरान 5,000 किलो चिकन बांटने के आरोप भी लगे थे। अब उनके पीछे हटने से वार्ड नंबर 2 में भाजपा को नए सिरे से अपनी रणनीति तय करनी होगी।

पुराने वीडियो और 'राहुल गांधी' वाली फोटो बनी वजह

पूजा मोरे की उम्मीदवारी का विरोध उनके कुछ पुराने वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ। इनमें पहलगाम आतंकी हमले के समय कश्मीरी मुस्लिमों के समर्थन में दिया गया उनका बयान और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर की गई पूर्व टिप्पणियां शामिल थीं। इसके अलावा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ उनकी एक फोटो भी वायरल हुई, जिससे भाजपा समर्थकों में भारी नाराजगी फैल गई। समर्थकों का आरोप था कि पार्टी ने एक ऐसी उम्मीदवार को टिकट दिया है जिसकी विचारधारा भाजपा से मेल नहीं खाती।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में छलके आंसू, पति ने दी सफाई

नामांकन वापस लेने की घोषणा के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूजा मोरे भावुक होकर रो पड़ीं। उनके पति धनंजय जाधव ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी पत्नी को उन बयानों के लिए निशाना बनाया जा रहा है जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं, बल्कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति के कारण उनके 10-12 साल के सामाजिक संघर्ष को नजरअंदाज किया जा रहा है।

जेन जी

मुंबई चुनाव में हमारी मांग साफ़ है—सड़कें गड्ढा-मुक्त हों, पानी की किल्लत खत्म हो और टैक्स का पैसा ज़मीन पर दिखे।

– संगीता गुप्ता, डोंबिवली

नेतृत्व वही चाहिए जो वादे नहीं, समय पर काम करे—मुंबई को सिर्फ़ योजनाएँ नहीं, समाधान चाहिए।

– अभिषेक गुप्ता, डोंबिवली

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

वडाळा विधानसभा क्षेत्र

वॉर्ड वॉर
मुंबई मनपा चुनाव

साख, सत्ता और सेना बनाम सेना की जंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए वडाला विधानसभा क्षेत्र के प्रभागों में राजनैतिक तपिश चरम पर है। यह क्षेत्र, जो पारंपरिक रूप से मराठी अस्मिता और शिवसेना का अभेद्य किला रहा है, आज 'सेना बनाम सेना' के वर्चस्व की लड़ाई का मुख्य केंद्र बन गया है।

वॉर्ड विश्लेषण

1 प्रभाग 177 (सायन/वडाळा - सायन कोळीवाडा)

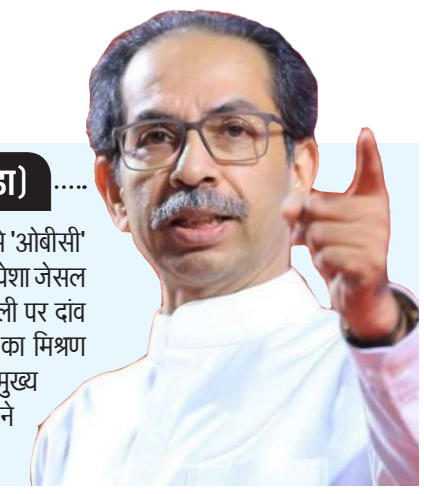

वार्ड 177 राजनीतिक रूप से काफी सक्रिय क्षेत्र है। 2026 के लिए इसे 'ओबीसी' (OBC) श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है। भाजपा ने यहाँ से कल्पेशा जेसल कोठारी को मैदान में उतारा है, जबकि मनसे ने हेमाली परेश भनसाली पर दांव लगाया है। यहाँ कोळीवाडा की पारंपरिक बस्तियों और नए टावरों का मिश्रण है, जहाँ बुनियादी सुविधाओं और स्थानीय व्यापारिक हितों की रक्षा मुख्य चुनावी मुद्दे हैं। महायुति और मनसे के बीच यहाँ कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

2 प्रभाग 178 (वडाळा - संगम नगर)

प्रभाग 178 'सर्वसामान्य' (General) श्रेणी में आता है, जिससे यहाँ पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवारों के लिए अवसर खुला है। कांग्रेस ने यहाँ से अपने अनुभवी नेता रघुनाथ थवई को उम्मीदवार बनाया है। पूर्व नगरसेवक अमेय घोले (जो पहले अविभाजित शिवसेना में थे) अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना का हिस्सा हैं। यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है जहाँ जल निकासी, साफ-सफाई और स्लम पुनर्विकास की मांग सबसे ऊपर है। कांग्रेस का यहाँ पुराना जनाधार है, जिसे शिवसेना (UBT) और भाजपा चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं।

3 प्रभाग 179 (सायन कोळीवाडा - प्रतीक्षा नगर)

इस प्रभाग को 'सर्वसामान्य महिला' (General Lady) के लिए आरक्षित किया गया है। कांग्रेस ने यहाँ से आयशा सुफियान वानू को टिकट दिया है, जबकि उद्धव सेना (UBT) की ओर से दीपाली खेडेकर मैदान में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) ने आरिफ सय्यद के जरिए यहाँ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रतीक्षा नगर के इस क्षेत्र में मध्यमवर्गीय मराठी और अल्पसंख्यक मतदाताओं का अच्छा तालमेल है, जो जीत-हार का फैसला करेगा।

4 प्रभाग 181 (वडाळा/एंटॉप हिल - विजय नगर)

प्रभाग 181 को 'सर्वसामान्य' (General) श्रेणी में रखा गया है। यहाँ का मुकाबला काफी रोचक है क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (RPI-A) के बापूसाहेब योहान काळे महायुति के समर्थन से मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने कमलेश रामदुलार यादव (पप्पू यादव) को उतारा है। यह वॉर्ड बहुभाषी और श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ सरकारी योजनाओं का लाभ और स्थानीय रोजगार जैसे मुद्दे हावी रहते हैं।

5 प्रभाग 200 (शिवडी/वडाळा - कोटनाका)

प्रभाग 200 में भाजपा ने संदीप पानसांडे को उम्मीदवार बनाया है, जबकि उद्धव सेना (UBT) ने उर्मिला पांचाळ को मैदान में उतारा है। कांग्रेस की ओर से सुरेश काळे और RPI-A की ओर से सचिनभाई मोहिते भी दावेदार हैं। यह वॉर्ड 'सर्वसामान्य' श्रेणी में होने के कारण यहाँ दिग्गजों की लड़ाई है। शिवडी के इस ऐतिहासिक क्षेत्र में पुराने मिलों के पुनर्विकास और मराठी अस्मिता का मुद्दा हमेशा केंद्र में रहता है।

6 प्रभाग 201 (शिवडी/परेल)

प्रभाग 201 मुख्य रूप से 'सर्वसामान्य महिला' (General Lady) के लिए आरक्षित है। यहाँ शिवसेना (UBT) की रेखा कांबळे एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं। यहाँ से सुप्रिया मोरे (कांग्रेस) चुनी गई थीं, लेकिन वे भी अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना के खेमे में शामिल हो चुकी हैं। यह इलाका 'गिरगांव' और 'परेल' की संस्कृति से प्रभावित है, जहाँ शिवसेना का संगठन बेहद मजबूत माना जाता है। यहाँ मुकाबला मुख्य रूप से उद्धव सेना और भाजपा के बीच है, जहाँ स्थानीय विकास कार्यों और वॉर्ड की साफ-सफाई को लेकर जनता अपना फैसला सुनाएगी।

वोट शेयर का गणित

- भाजपा का वडाला में करीब 18-20% का स्थिर वोट बैंक रहा है। भाजपा और शिंदे सेना मिलकर उम्मीदवार उतारे हैं, तो वोटों का बंटवारा रुक जाएगा, जिससे विपक्षी दलों के लिए चुनौती बढ़ सकती है।
- **कांग्रेस और MNS का रुख:** कांग्रेस ने अकेले लड़ने का फैसला किया है, जो विपक्षी वोटों में बिखराव पैदा कर सकता है। वहीं, राज ठाकरे की मनसे (MNS) अगर उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन में है, तो मराठी वोटों का ध्रुवीकरण हो सकता है।

मराठी भाषी बहुल इलाका

- वडाला पारंपरिक रूप से मराठी भाषी बहुल इलाका है और शिवसेना का गढ़ रहा है। इस बार यहाँ असली मुकाबला एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के बीच माना जा रहा है।
- शिंदे गुट की ताकत: अमेय घोले और सुप्रिया मोरे जैसे अनुभवी चेहरों का साथ मिलने से शिंदे सेना यहाँ काफी मजबूत नजर आ रही है।
- ठाकरे गुट की रणनीति: उद्धव ठाकरे की सेना 'मराठी मानुस' और सहानुभूति कार्ड के सहारे अपना किला बचाने की कोशिश में है। उर्मिला पांचाल के रूप में उनके पास एक सक्रिय चेहरा है।

वॉर्ड विश्लेषण
मुंबई मनपा चुनाव

विक्रोळी में उद्धव के सामने चुनौती ही चुनौती

तीनों बागी एकनाथ शिंदे के पाले में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

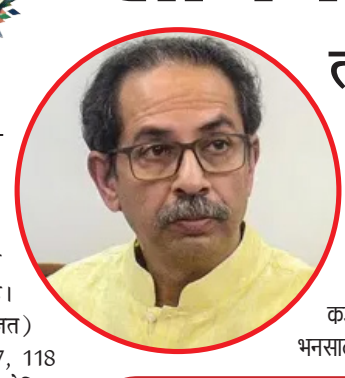

विक्रोली विधानसभा क्षेत्र, जो कि उद्धव गुट के विधायक सुनील राऊत का निर्वाचन क्षेत्र है, इस बार शिवसेना के दोनों धड़ों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। पिछली बार शिवसेना (अविभाजित) ने यहाँ के तीनों प्रमुख वॉर्डों—117, 118 और 120—पर जीत दर्ज की थी, लेकिन पार्टी में फूट के बाद इन तीनों वॉर्डों के पूर्व नगरसेवक (उपेंद्र सावंत, सुवर्णा करंजे और राजराजेश्वरी रेडकर) अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना का हिस्सा हैं। उद्धव गुट के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने ₹खोए हुए गढ़₹ को वापस पाना है, क्योंकि वर्तमान में ये तीनों सीटें तकनीकी रूप से शिंदे गुट के प्रभाव में हैं। ऐसे में सुनील राऊत की रणनीति और उद्धव सेना के नए उम्मीदवारों की जमीनी पकड़ ही यहाँ पासा पलट सकती है।

प्रमुख उम्मीदवार और त्रिकोणीय संघर्ष

चुनाव आयोग और राजनैतिक सूचियों के अनुसार, वॉर्ड 117 में शिंदे गुट की वर्तमान पार्षद सुवर्णा करंजे को चुनौती देने के लिए उद्धव गुट ने श्वेता पावसकर को मैदान में उतारा है, जिससे यहाँ 'सेना बनाम सेना' की सीधी टक्कर है। वहीं, वॉर्ड 118 में अनुभवी उपेंद्र सावंत (शिंदे गुट) के सामने उद्धव गुट ने सुनीता जाधव पर दांव लगाया है। वॉर्ड 120 में भी इसी तरह का कड़ा मुकाबला है। इस 'शिवसेना बनाम शिवसेना' की लड़ाई के बीच मनसे (MNS) ने भी हेमाली भनसाली और बजरंग देशमुख जैसे उम्मीदवारों को उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

प्रभाग क्रमांक 111

मुंबई मनपा चुनाव 2026 के लिए वॉर्ड 111 (भांडुप पश्चिम/एस वॉर्ड) में मुकाबला अत्यंत दिलचस्प और त्रिकोणीय हो गया है, जहाँ मुख्य लड़ाई भाजपा की सारिका मंगेश पवार, शिवसेना (UBT) के दीपक सावंत और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) के दिग्गज नेता धनंजय (दादा) पिसाळ के बीच है। महायुति गठबंधन में यह सीट भाजपा के पास जाने के बावजूद धनंजय पिसाळ का चुनाव मैदान में उतरना भाजपा की सारिका पवार के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है, क्योंकि पिसाळ का इस क्षेत्र में मजबूत व्यक्तिगत जनाधार है।

प्रभाग क्रमांक 117

मुंबई मनपा चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 117 (भांडुप/विक्रोली - S वार्ड) में चुनावी घमासान काफी तेज है, जहाँ मुख्य मुकाबला शिवसेना के दोनों गुटों और मनसे के बीच देखा जा रहा है। 'OBC महिला' श्रेणी के लिए आरक्षित इस सीट पर शिवसेना (UBT) ने श्वेता पावसकर को मैदान में उतारा है, जो पूर्व में कांग्रेस की कद्दावर नेता रही हैं और इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखती हैं। उन्हें कड़ी टक्कर महायुति की ओर से एकनाथ शिंदे गुट की सुवर्णा सहदेव करंजे से मिल रही है।

प्रभाग क्रमांक 122

प्रभाग क्रमांक 122 (एल वार्ड - कुर्ला/चुनावी क्षेत्र) में राजनैतिक मुकाबला बेहद रोमांचक है, जहाँ मुख्य रूप से महायुति की ओर से भाजपा के चंदन शर्मा और महाविकास अघाड़ी की ओर से शिवसेना (UBT) के नीलेश सालुंखे के बीच सीधा मुकाबला देखा जा रहा है। भाजपा ने यहाँ अपने पुराने और भरोसेमंद चेहरे चंदन शर्मा पर दांव लगाया है, जबकि उद्धव गुट ने नीलेश सालुंखे को मैदान में उतारकर इस पारंपरिक गढ़ में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है। 'सर्वसामान्य' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले इस वॉर्ड में स्थानीय मतदाता नागरिक सुविधाओं, बेहतर सड़कों और स्लम पुनर्विकास (SRA) जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिससे 15 जनवरी को होने वाले मतदान में पार्टी की विचारधारा और उम्मीदवार की व्यक्तिगत सक्रियता दोनों की अग्निपरीक्षा होगी। 2017 में यहाँ की नगरसेविका उबाठा की दीपाली गोसावी थी।

प्रभाग क्रमांक 118

मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 118 (भांडुप - S वार्ड) में चुनावी घमासान काफी दिलचस्प है, जहाँ शिवसेना (UBT) ने सुनीता जाधव को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है। इस वॉर्ड में उनका मुख्य मुकाबला पूर्व पार्षद उपेंद्र सावंत और मनसे (MNS) के बजरंग देशमुख से माना जा रहा है, जो स्थानीय स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ रखते हैं।

प्रभाग क्रमांक 119

प्रभाग क्रमांक 119 (S वार्ड - भांडुप/विक्रोली) में मुकाबला बेहद कड़ा और त्रिकोणीय होने की उम्मीद है, जहाँ मुख्य रूप से शिवसेना (UBT) की ओर से विश्वजीत शंकर ढोलम अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस वॉर्ड में 'मराठी मानुस' और स्थानीय विकास के मुद्दों पर शिवसेना के दोनों गुटों (उद्धव और शिंदे) के बीच साख की लड़ाई है, जिसे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के उम्मीदवार अपनी सक्रियता से और भी चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

प्रभाग क्रमांक 120

प्रभाग क्रमांक 120 (एन वार्ड - घाटकोपर/पंतनगर) में चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प है, जहाँ मुख्य रूप से कांग्रेस की खुशबू राजेश गुप्ता, शिवसेना (UBT) के विश्वास शिंदे और अन्य प्रमुख दलों के बीच सीधी टक्कर देखी जा रही है। यह वॉर्ड 'सर्वसामान्य' श्रेणी के अंतर्गत आता है, जिसके कारण यहाँ राजनैतिक दलों ने भारी-भरकम और स्थानीय स्तर पर सक्रिय चेहरों को मैदान में उतारा है। कांग्रेस यहाँ अपने पुराने वोट बैंक और खुशबू गुप्ता की सक्रियता के भरोसे है, जबकि शिवसेना (UBT) के विश्वास शिंदे 'मराठी मानुस' और विकास के मुद्दों पर अपना दावा मजबूत कर रहे हैं।

प्रभाग क्रमांक 121

मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के लिए वॉर्ड 121 (एल-वॉर्ड, कुर्ला/साकीनाका) में मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है, जहाँ शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के विजय शिंदे और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों के बीच वर्चस्व की सीधी जंग है। यह वॉर्ड 'सर्वसामान्य' श्रेणी के अंतर्गत आता है, जहाँ बुनियादी नागरिक सुविधाओं, जलभराव की समस्या और स्लम पुनर्विकास (SRA) जैसे स्थानीय मुद्दे चुनाव के केंद्र में हैं। भाजपा और शिंदे सेना गठबंधन (महायुति) यहाँ अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं।

वॉर्ड खबर

वार्ड 107 में निष्कंटक हुई नील की राह

ठाकरे ब्रदर्स-कांग्रेस ने नहीं उतारा कैंडिडेट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुलुंड (पश्चिम) के वार्ड नंबर 107 से चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। यहाँ भाजपा उम्मीदवार नील सोमैया के खिलाफ किसी भी बड़े विपक्षी दल ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। न तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) और न ही राज ठाकरे की मनसे ने यहाँ कोई उम्मीदवार खड़ा किया है। इसके अलावा कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP-SP) का भी कोई आधिकारिक चेहरा मैदान में नहीं है।

विपक्षी उम्मीदवार का नामांकन खारिज

इस वार्ड में विपक्षी गठबंधन की ओर से शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने हंसराज दानानी को चुनावी मैदान में उतारा था। हालांकि, हलफनामा (Affidavit) जमा न करने जैसी तकनीकी खामी के कारण चुनाव आयोग ने उनका नामांकन पत्र खारिज कर दिया। मुख्य विपक्षी उम्मीदवार का पर्चा रद्द होने के बाद अब नील सोमैया के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं बची है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किरीट सोमैया ने सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की और चुटकी लेते हुए लिखा, 'भगवान की लीला अनोखी है, गॉड इज ग्रेट।'

भाजपा का अभेद्य किला है मुलुंड

मुलुंड क्षेत्र पारंपरिक रूप से भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माना जाता है। यहाँ गुजराती और मारवाड़ी मतदाताओं की बड़ी संख्या है, जो लंबे समय से भाजपा के प्रति निष्ठावान रहे हैं। नील सोमैया इससे पहले 2017 में भी इसी वार्ड से पार्षद चुने गए थे। इस बार विपक्ष की अनुपस्थिति और अनुकूल जनसांख्यिकीय आंकड़ों के कारण उनकी जीत केवल औपचारिकता मात्र रह गई है। हालांकि, मैदान में अब भी वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रत्याशी और 9 निर्दलीय उम्मीदवार मौजूद हैं, लेकिन उनकी चुनौती नाममात्र की मानी जा रही है।